RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-10 | अंक-208 | जयपुर, गुरुवार, 29 जनवरी 2026 | मूल्य-4 रूपये

प्लेन क्रैश में महाराष्ट्र डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन

बारामती में प्लेन लैंडिंग के दौरान गिरकर खाक, सभी 5 सवार मारे गए, अंतिम संस्कार आज

मुंबई

महाराष्ट्र के बारामती में बुधवार सुबह हुए विमान हादसे में उप मुख्यमंत्री अजित पवार समेत पांच लोगों की मौत हुई। विमान ने सुबह 8:10 बजे सकाली से उड़ान भरी थी और यह बारामती हवाई अड्डे पर उतरते समय 8:50 पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। वहीं, मुख्यंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी पवार के निधन को बड़ी क्षति बताया। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में डिप्टी सीएम पवार के अलावा कैप्टन सुमित और शांभवी पाठक भी शामिल हैं। उत्तर प्रदेश से ताल्लुख रखने वाली पिंकी माली की भी इस दुर्घटना में मौत हो गई।

पवार 5 फरवरी को पुणे में होने वाले जिला परिषद चुनावों के लिए चार रैलियों को संबोधित करने वाले थे। वे मुंबई से सुबह 8.10 बजे रवाना हुए थे। केंद्रीय एविएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू ने बताया कि पायलट ने बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग की

कोशिश की थी, लेकिन रनवे साफ दिखाई नहीं दिया तो वह प्लेन को दोबारा ऊंचाई पर ले गया।

पहली कोशिश नाकाम रहने के बाद बारामती के रनवे-11 पर दोबारा लैंडिंग की कोशिश की गई। इस दौरान विमान रनवे से पहले ही गिर गया और उसमें आग लग गई। इस दौरान पायलट ने कोई इमरजेंसी सिग्नल नहीं दिया था। उसने 'मेडे' कॉल भी नहीं किया था।

महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस बारामती पहुंच गए हैं। उन्होंने आज स्कूलों की छुट्टी और 3 दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। पवार का अंतिम संस्कार बारामती में गुरुवार सुबह 11 बजे किया जाएगा। अजित के चाचा शरद पवार, पत्नी सुनेत्रा, दोनों बेटे और बहन सुप्रिया सुले भी बारामती पहुंच गई हैं।

इधर, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो, यानी AAIB ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसी की एक टीम दिल्ली में विमान की ऑपरेटर कंपनी VSR वेंचर्स के ऑफिस पहुंची है। दूसरी टीम बारामती रवाना हो गई है।

इस बीच VSR वेंचर्स ने कहा है कि पायलट को 16 हजार घंटे का फ्लाइंग एक्सपीरियंस था। विमान की को-पायलट के पास 1500 घंटे का एक्सपीरियंस था। कंपनी ने दावा किया कि एयरक्राफ्ट में कोई तकनीकी खामी नहीं थी।

अजित पवार की पार्टी NCP भाजपा-शिवसेना महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार में शामिल है। उन्हें मिलाकर पार्टी के कुल 41 विधायक थे। वे खुद उपमुख्यमंत्री थे। उनके अलावा 7 कैबिनेट और 1 राज्य मंत्री हैं।

लाश के टुकड़ों पर कंबल ढंके

प्रत्यक्षदर्शी महिला ने बताया, 'विमान का विस्फोट इतना जोरदार था कि कोई भी कुछ नहीं कर सका। रेस्क्यू टीम आई और पानी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश की। पुलिस भी आई और उन्होंने हमसे पानी लाने को कहा। हम बाल्टियों में पानी लाए। अजित पवार का शव उछलकर एक तरफ जा गिरा था। हमने यह अपनी आंखों से देखा। हमने एक नया कंबल दिया और उसमें उनका शव लपेटकर रखा गया। करीब आधे घंटे तक आग सुलगती रही। चश्मे और घड़ी से हमने पहचाना कि ये अजित दादा ही हैं।

अजित की मौत दुर्घटना, राजनीति ना करें: शरद पवार

विपक्षी नेताओं ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में मौत की जांच कराने की मांग की है। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि हादसे की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में की जानी चाहिए। उधर, एनसीपी (शरद) नेता और अजित के चाचा शरद पवार ने कहा कि यह हादसा है। इस पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। महाराष्ट्र ने एक काबिल इंसान खो दिया है। उसके पास फैसले लेने की ताकत थी।

ममता बनर्जी ने कोलकाता में कहा, 'मौजूदा जांच एजेंसियां पूरी तरह से समझौता कर चुकी हैं। सच्चाई केवल शीर्ष अदालत की निगरानी में ही सामने आ सकती है। हमें सिर्फ सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है। ममता ने यह भी संकेत दिया कि अजित अपने चाचा शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (शरद पवार गुट) में वापसी पर विचार कर रहे थे। हाल के दिनों में इस तरह की रिपोर्ट्स सामने आई थीं।

देशभर में यूजीसी के नए नियमों का विरोध, सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली/लखनऊ/पटना

देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के नए नियमों को लेकर विरोध जारी है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने नए नियमों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की मांग स्वीकर की।

सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने वकीलों की दलीलों पर ध्यान दिया। सीजेआई ने कहा- हमें पता है कि क्या हो रहा है। सुनिश्चित करें कि खामियों को दूर किया जाए। हम इसे लिस्ट करेंगे।

इधर, यूपी-बिहार में आज भी जमकर हंगामा हुआ। स्टूडेंट्स और सवर्ण जातियों के लोग सड़कों पर उतरे। यूपी के पीलीभीत में सवर्ण समाज के युवकों ने मुंडन कराया। बिहार में पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के पोस्टर पर कालिख पोती गई। यूजीसी ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इसका नाम है- 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026।' इसके तहत कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने के निर्देश दिए हैं। ये टीमें खासतौर पर SC, ST और OBC छात्रों की शिकायतों को देखेंगी। सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही लाने के लिए किए गए हैं। हालांकि नियमों को जनरल कैटेगरी के खिलाफ बताकर विरोध हो रहा है।

कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की मौत

निधन के 4 घंटे बाद कथित सुसाइड नोट पोस्ट, लिखा-मैं इस दुनिया से हमेशा के लिए अलविदा

जोधपुर

पश्चिमी राजस्थान की कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की

मौत हो गई। मामला तब पेचीदा हो गया, जब डॉक्टर द्वारा उन्हें मृत घोषित किए जाने के करीब 4 घंटे बाद उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कथित 'सुसाइड नोट' पोस्ट हुआ। साध्वी की बुधवार शाम करीब 5:30 बजे मौत हो गई थी।

एसीपी (वेस्ट) छवि शर्मा ने बताया- साध्वी को उनके पिता और एक युवक कार से पाल रोड स्थित प्रेक्षा हॉस्पिटल लेकर शाम करीब 5:30 बजे पहुंचे थे। अस्पताल में डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया था। साध्वी के शव को उनके पिता महात्मा गांधी हॉस्पिटल या मथुरादास माथुर अस्पताल ले जाने की बजाय बोरानाडा स्थित आश्रम ले गए थे। बोरानाडा पुलिस ने साध्वी के शव को महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में शिफ्ट करवाया।

गुरुवार को पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि साध्वी को बुखार था।

संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति ने गिनाईं देश की उपलब्धियां

जी राम जी कानून का जिक्र करते ही विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली

बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति मुर्मू का संबोधन किया। इस दौरान उन्होंने देश की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा, 'संसद के इस सत्र को संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। पिछला वर्ष भारत की तीव्र प्रगति और विरासत के उत्सव के रूप में यादगार रहा। पूरे देश में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है। नागरिक बंकिम चंद्र चटर्जी को उनकी इस महान प्रेरणा के लिए नमन कर रहे हैं। मैं सभी सांसदों को बधाई देती हूं कि संसद में इस विषय पर विशेष चर्चा हुई।

18वीं लोकसभा के बजट सत्र का पहला हिस्सा बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा की जॉइंट मीटिंग में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ शुरू हो गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार देश में आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार भ्रष्टाचार और घोटालों से निपटने में सफल रही है।

राष्ट्रपति ने 45 मिनट की स्पीच में VB- जी राम जी कानून का भी जिक्र किया। इस पर विपक्ष ने हंगामा किया और कानून वापस लो के नारे लगाए। उधर, एनडीए सांसदों ने समर्थन में नारेबाजी की। पीएम मोदी और अमित शाह भी मेज थपथपाते नजर आए।

बजट सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा। यह दो हिस्सों में होगा। पहला हिस्सा 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा हिस्सा 9 मार्च से 2 अप्रैल तक होगा। इस दौरान कुल 30 बैठकें होंगी। 28 जनवरी और 1 फरवरी को कोई शून्यकाल नहीं होगा।

ऑपरेशन सिंदूर की ताकत दुनिया ने देखी: ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय सेना का शौर्य पूरी दुनिया ने देखा है। भारतीय सेना ने आतंकी अड्डों को ध्वस्त किया। मिशन सुदर्शन चक्र पर काम चल रहा है।

पेपरलीक से बचने के लिए 'एसआई भर्ती-2025' में बड़े बदलाव

तीन की जगह दो पारियों में एग्जाम होने की संभावना

अजमेर

राजस्थान लोक सेवा आयोग की सब इंस्पेक्टर भर्ती-2025 का एग्जाम इस बार तीन पारियों के बजाय दो पारियों में ही होने की संभावना है। इस परीक्षा में करीब पौने आठ लाख कैंडिडेट्स ने आवेदन किए हैं।

पेपर लीक व डमी कैंडिडेट्स के कारण रद्द हुई पिछली एसआई भर्ती-2021 की गलतियों से सबक लेते हुए आयोग ने इस बार विशेष तैयारियां की है। इस बार होने वाले एग्जाम में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे, जो पिछली भर्ती में इस्तेमाल नहीं हुए थे लेकिन बाद में लागू किए।

आयोग ने इस परीक्षा की डेट 5 अप्रैल प्रस्तावित कर रखी है। एसआई भर्ती में हिन्दी व जीके का पेपर होता है। पिछली एसआई भर्ती परीक्षा तीन पारियों में हुई थी। आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक (आईएएस) आशुतोष गुप्ता ने कहा पिछली बार हुई एसआई भर्ती और इस बार हो रहे भर्ती एग्जाम में सुरक्षा को लेकर कई बड़े बदलाव आरपीएससी में हुए है। इन नवाचारों से पेपर लीक व डमी कैंडिडेट्स की सम्भावना नहीं होगी। साथ ही कई सुरक्षा के उपाय किए गए है।

झालावाड़ से एमडी-स्मैक समेत 5 करोड़ का माल जब्त, 3 अरेस्ट, मास्टरमाइंड फरार

आगर मालवा

आगर मालवा पुलिस ने राजस्थान में ड्रग फैक्ट्री पर छापामार कार्रवाई की है। इस ऑपरेशन में नशीले पदार्थ समेत करीब 5 करोड़ रुपए का माल जब्त किया गया है। तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। कार्रवाई को राजस्थान की झालावाड़ पुलिस के साथ मिलकर अंजाम दिया गया।

एसपी विनोद कुमार सिंह ने कहा- 20 जनवरी को सुसनेर के पास ड्रग पैडलर फैजान को पकड़ा

था। उसके पास से 33 लाख रुपए कीमत की 330 ग्राम एमडी ड्रग मिली थी। फैजान ने बताया था कि वह राजस्थान के झालावाड़ में घाटाखेड़ी निवासी ताहिर खान से ड्रग्स लाता था। ताहिर अपने घर में ड्रग्स बनाने का काम करता है।

इस इनपुट पर कोतवाली और झालावाड़ पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई। इसमें कुल 80 पुलिसकर्मी शामिल किए गए। 27 जनवरी की रात घाटाखेड़ी में ताहिर खान के घर पर छापा मारा गया।

घर के बाहर ताला लगा था। ताला तोड़कर पुलिस अंदर पहुंची तो ताहिर के पिता शाहीर खान और काका मुनव्वर खान ड्रग्स छिपाते मिले। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी ताहिर फिलहाल फरार हैं।

प्रदेश में फ्री इलाज के क्लेम हो रहे रिजेक्ट, 28 सरकारी हॉस्पिटलों को नोटिस

जयपुर

राजस्थान में भजनलाल सरकार की फ्री इलाज की मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (MAA) में बड़ी गड़बड़ी सामने आ रही है। इस कारण सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरकारी हॉस्पिटलों में प्रशासन में बैठे अधिकारी और निचले कर्मचारियों की लापरवाही के कारण इस योजना के करोड़ों रुपए के क्लेम बीमा कंपनी रिजेक्ट कर रही है। बढ़ते क्लेम रिजेक्शन को देखते हुए मेडिकल एज्युकेशन डिपार्टमेंट के कमिश्नर नरेश कुमार गोयल ने प्रदेश के 28 सरकारी हॉस्पिटलों के प्रमुखों (अधीक्षक, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी) को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तीन दिन में जवाब मांगा है।

सूत्रों के मुताबिक राजकीय हॉस्पिटल में भर्ती होने वाले मरीज जिनका MAA योजना के तहत बीमा होता है, उनके इलाज की राशि बीमा करने वाली कंपनी देती है। इसके लिए इन हॉस्पिटलों में भर्ती मरीजों की डिटेल और डॉक्यूमेंट बीमा कंपनी को भेजे जाते हैं। बीमारी के बारे में जानकारी दी जाती है।

एपेक्सा समूह धोखाधड़ी मामले में ईडी ने 15.97 करोड़ की 37 अचल संपत्तियां अटैच

जयपुर

एपेक्सा समूह द्वारा निवेशकों के साथ धोखाधड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कार्रवाई करते हुए 37 संपत्तियों को अटैच किया है. इन संपत्तियों की कीमत करीब 15.97 करोड़ रुपए है. यह संपत्तियां मुरली मनोहर नामदेव, दुर्गाशंकर मेरोठा, अनिल कुमार, गिरिराज नायक, शोभारानी और अन्य के नाम है. ईडी ने बूंदी, बारां और कोटा में इन

आवासीय और कृषि संपत्तियों को अटैच किया है.

वहीं, एपेक्सा समूह से संबंधित एक बैंक खाता भी सीज किया गया है. जिसमें करीब 1.50 करोड़ रुपए हैं. राजस्थान पुलिस द्वारा मुरली मनोहर नामदेव और अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज अलग-अलग एफआईआर के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की थी. जिसमें एपेक्सा समूह पर बड़ी संख्या में निवेशकों से 194.76 करोड़ रुपए इकठ्ठा करने का आरोप है. ईडी की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई है.

मोटे मुनाफे का लालच देकर फंसायाः जांच में सामने आया है कि मुरली मनोहर नामदेव ने अपने सहयोगियों के साथ मिलीभगत कर एपेक्सा समूह के बैनर पर धोखाधड़ी की साजिश रची. इसमें लोगों को ज्यादा मुनाफे का लालच देकर फंसाया गया.

राज्यपाल ने गहलोत सरकार के 9 विधेयक लौटाए

ऑनर किलिंग-मॉब लिंचिंग के खिलाफ बिलों को वापस भेजा, 2 प्राइवेट यूनिवर्सिटी के विधेयक भी

जयपुर

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान पारित हुए 9 विधेयक (बिल) अलग-अलग कारणों से विधानसभा को लौटा दिए। राज्यपाल ने इन बिलों के कानूनी पहलुओं पर सवाल उठाते हुए वापस भेजा है। ये बिल साल 2019 से लेकर 2023 में पारित करवाए गए थे। वहीं, वसुंधरा राजे के पहले कार्यकाल के दौरान साल 2008 में पारित एक बिल भी लौटाया है।

पिछली गहलोत सरकार के दौरान साल 2019 में ऑनर किलिंग और मॉब लिंचिंग के खिलाफ पारित दोनों बिल फिर से विचार करने के लिए लौटाए हैं। ऑनर किलिंग पर उम्रकैद और पांच लाख जुर्माने का प्रावधान था। मॉब लिंचिंग पर भी कड़ी सजा का प्रावधान किया गया था।

इन दोनों बिलों के कई प्रावधान पहले आईपीसी में थे। राज्यपाल ने इन बिल के प्रावधान केंद्रीय कानूनों से टकराने के कारण लौटाए हैं। गहलोत राज में पारित दो प्राइवेट यूनिवर्सिटी के बिल के प्रावधानों पर सवाल उठाते हुए लौटाया है।

वसुंधरा राजे सरकार में पारित राजस्थान धर्म स्वातंत्र्य विधेयक-2008 को सरकार पहले ही वापस लेने का फैसला कर चुकी है। इसकी जगह धर्मांतरण विरोधी कानून लाया जा चुका है।

तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के जवाब में गहलोत सरकार लाई थी बिल

केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ कांग्रेस ने देशभर में अभियान चलाया था। उस समय गहलोत सरकार केंद्रीय कृषि कानूनों की काट के तौर पर 2 नवंबर 2020 को कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) (राजस्थान संशोधन) विधेयक-2020 और कृषक (सशक्तीकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार (राजस्थान संशोधन) विधेयक लेकर आई थी। 2 नवंबर 2020 को दोनों बिल पारित हुए थे। बाद में केंद्र सरकार ने कृषि कानून वापस ले लिए थे। केंद्रीय कानून के जवाब में राज्य के कानूनों की वैधानिकता पर उस समय भी सवाल उठे थे। केंद्र के कानून वापस लेने के बाद इन दोनों बिल का कोई औचित्य नहीं रह गया था। राज्यपाल ने दोनों बिल के कानूनी आधार और औचित्य नहीं होने का तर्क देते हुए वापस भेजा है।

मॉब लिंचिंग के खिलाफ बनाए गए राजस्थान सम्मान और परंपरा के नाम पर वैवाहिक संबंधों की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप का प्रतिषेध विधेयक को राष्ट्रपति के पास अनुमति के लिए भेजने को रखा गया था। राज्यपाल ने विधानसभा को बिल लौटाते हुए सरकार की तरफ से इसे विड्रॉ करने के कानूनी प्रावधानों को गिनाया है।

सरकार ने कानूनी आधार पर इस बिल को विड्रॉ करने का फैसला किया। सरकार का तर्क है कि इस बिल बिल में इंडियन पैनल कोड 1973 को संदर्भित किया है। दोनों ही कानून अब खत्म हो चुके हैं। भारतीय न्याय संहिता 2003 की धारा 103 के प्रावधानों में ऑनर किलिंग से संबंधित अपराधों से निपटने के लिए पर्याप्त प्रावधान हैं।

अगर राज्य के किसी बिल के प्रावधान केंद्रीय कानूनों के प्रावधानों से टकराते हैं तो राज्यपाल इन्हें वापस भेज देते हैं। केंद्र और राज्य के बीच ?कानून बनाने को लेकर साफ प्रावधान है। राज्य केवल राज्य सूची के विषयों पर ही कानून बना सकते हैं। समवर्ती सूची में केंद्र और राज्य, दोनों कानून बना सकते हैं, लेकिन यहां भी केंद्रीय कानून ही मान्य होंगे।

हाईकोर्ट ने जयपुर पुलिस कमिश्नर को किया तलब

एसआई भर्ती मामले में कम योग्यता वालों के चयन से जुड़ा है मामला

जयपुर

सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती-2016 में कम योग्यता (शारीरिक दक्षता) वालों के चयन से जुड़े मामले में अदालती आदेश की पालना नहीं होने पर हाईकोर्ट ने तत्कालीन एडीजीपी, पदोन्नति एवं भर्ती बोर्ड (वर्तमान पुलिस कमिश्नर) सचिन मित्तल को तलब किया हैं। जस्टिस अशोक कुमार जैन की अदालत ने यह आदेश प्रतीप मीणा व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने पुलिस कमिश्नर को 30 जनवरी को सुबह साढ़े 10 बजे अदालत में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल याचिकाकर्ताओं ने भर्ती में कम योग्यता वालो के चयन को चुनौती दी थी। अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि एसआई भर्ती-2016 में 456 पदों पर भर्ती हुई थी। सफल अभ्यर्थियों को जुलाई 2021 में नियुक्ति दी गई। लेकिन भर्ती में 8 अभ्यर्थी ऐसे है, जो शारीरिक दक्षता पूरी नहीं करते हैं। हमने कोर्ट को बताया कि भर्ती नियमों के अनुसार पुरुष अभ्यर्थी की लंबाई 168 सेमी और चेस्ट की माप 81-86 सेमी होनी चाहिए। वहीं इन मानकों को पूरा करने वाले अभ्यर्थी मौजूद नहीं होने पर ही कम योग्यता वाले अभ्यर्थियों का चयन किया जा सकता हैं।

पुलिस की बदमाशों से हुई मुठभेड़, एक घायल दूसरा पकड़ाया, गोकशी में हैं शामिल

बुलंदशहर (एजेंसी)। यूपी के बुलंदशहर के खुर्जा नगर क्षेत्र में बीती रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया, जिनमें एक बदमाश घायल था। दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना पहासू रोड पर झमका के पास उस समय हुई, जब थाना खुर्जा नगर की पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान दो संदिग्ध युवकों को रुकने का इशारा किया, लेकिन बदमाशों ने रुकने के बजाय पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका साथी भाग गया। पुलिस ने अभियान चलाया और थोड़ी देर बाद दूसरे बदमाश को भी गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाश को अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस पूछताछ में दोनों बदमाशों ने कबूल किया कि वे गोकशी की घटनाओं में शामिल हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि दो दिन पहले खुर्जा नगर क्षेत्र में गौवंश के अवशेष मिलने की जो घटना सामने आई थी, उसे भी इन्हीं लोगों ने अंजाम दिया था। इस मामले में पहले से ही थाना खुर्जा नगर में मुकदमा दर्ज है। खुर्जा सीओ ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि बीती रात चेकिंग के दौरान यह मुठभेड़ हुई थी। पुलिस ने एक बदमाश का नाम नदीम और दूसरे का हुजैफा बताया है। पुलिस आगे जांच कर रही है।

देवी-देवताओं पर टिप्पणी को लेकर विवाद, दबंगों ने मां-बेटे का जुलूस निकाल पूरे गांव में घुमाया

हापुड़ (एजेंसी)। हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर में दबंगों ने मां बेटे का गांव में जुलूस निकालने का वीडियो वायरल हो गया है। जानकारी के मुताबिक अनुसूचित जाति का युवक देवी-देवताओं पर टिप्पणी कर रहा था। इसी बात से नाराज जाट समाज के युवकों ने राम मंदिर मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की तीसरी वर्षगांठ पर गांव के मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में अनुसूचित जाति को लेकर विवादित टिप्पणी कर दी। इस बात से नाराज अनुसूचित जाति के लोगों ने मां-बेटे को पंचायत में बुलाया और वहां से पूरे गांव में हाथ जोड़कर जुलूस के रूप में घुमाया। दबंग लोगों का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसके बाद गांव में माहौल तनावपूर्ण हो गया है। इस मामले में कुछ लोग दूसरे पक्ष के खिलाफ कार्रवाई को लेकर गांव में एकत्र हो गए। वहीं, पुलिस ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है।

गंगोत्री धाम में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर बैन, मदनी ने फैसले को अंसवैधानिक बताया

सहारनपुर (एजेंसी)। उत्तराखंड में गंगोत्री धाम में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर बैन लगा दिया गया है। बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में भी इस दिशा में कदम उठाए जाने की प्रक्रिया चल रही है। इस पूरे मामले पर जमीयत उलेमा ए हिंद के अध्यक्ष अरशद मदनी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस फैसले को अंसवैधानिक करार दिया है। मदनी ने कहा कि उन्हें लगता है कि देश उनका है और वे जनता को किसी भी दिशा में ले जा सकते हैं, लेकिन समय बदल गया है। यह अच्छी बात है कि लोग प्यार और भाईचारे से रहें और जमीयत उलेमा-ए-हिंद यही सिखाता है। यह सिर्फ केदारनाथ में नहीं है। असम में पूरी कॉलोनियों को तोड़ा जा रहा है और लाखों मुसलमानों को बांग्लादेशी बताया जा रहा है। सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भी इस मुद्दे पर सरकार का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि इन-?होंने अजीब स्थिति बना दी है। अगर आप देश के नागरिक हैं तो अपनी नागरिकता साबित करें। क्या सरकार कुछ साबित नहीं करेगी। अब इन्होंने हिंदुओं पर भी सवाल उठाना शुरू कर दिया है। पूछ रहे हैं कि वे हिंदू हैं या नहीं। कोई कैसे साबित करेगा कि वह हिंदू है या नहीं।

घरेलू नौकरानी का रेप करने के आरोप में अभिनेता गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। एक अभिनेता द्वारा शादी का वादा करके 10 साल तक अपनी घरेलू नौकरानी का रेप करने के आरोप में मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि 41 साल की एक महिला की शिकायत के आधार पर, हाल ही में ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर में दिखे नदीम खान को पुलिस ने गिरफ्तार किया है और वह फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं। शिकायत के अनुसार, महिला ने अलग-अलग अभिनेताओं के यहां घरेलू नौकरानी के तौर पर काम किया था और सालों पहले खान के संपर्क में आई थी, और वे करीब आ गए थे। महिला ने आरोप लगाया कि खान ने उससे शादी करने का वादा किया था, और उसी भरोसे पर, उसने 10 साल की अवधि में मलाड के मालवणी में उसके घर और पश्चिमी उपनगरों में वर्सोवा में अपने घर पर कई बार उसका रेप किया। हालांकि, बाद में उसने उससे शादी करने से इनकार कर दिया जिसके बाद महिला ने वर्सोवा पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई। बहरहाल पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

कोलकाता के दो गोदामों में भीषण आग, 8 लोग जिंदा जले, आग बुझाने में लगे 7 घंटे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में सोमवार को दो गोदामों में भीषण आग में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। यह हादसा कोलकाता के नजीराबाद इलाके में हुआ। पुलिस के मुताबिक नजीराबाद में स्थित दो गोदाम, जो एक-दूसरे के बिल्कुल पास में ही थे, अचानक आग की लपटों में घिर गए। आग इतनी भीषण थी कि उस पर काबू पाने के लिए सात घंटे लगे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान करीब पांच बजे घटनास्थल से तीन शव बरामद किए गए और बाद में पांच अन्य शवों को ढूंढ निकाला गया। बारुईपुर जिले के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शव बुरी तरह झुलसने के कारण अभी मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि मलबा पूरी तरह से साफ होने के बाद ही पता चल पाएगा कि घटना स्थल पर कोई और शव तो नहीं है या मलबे में कोई व्यक्ति फंसा तो नहीं है। पुलिस ने बताया कि शुरुआत में छह लोगों के लापता होने की सूचना मिली थी लेकिन फंसे हुए लोगों के परिवारों के मुताबिक यह संख्या 10 से ज्यादा हो सकती है क्योंकि पास के गोदामों में साज सज्जा का काम करने वाली एक कंपनी और मोमो बेचने वाली एक कंपनी के मजदूर काम करते थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंत्री सुजीत बोस ने बताया कि बचाव अभियान जारी है। बोस ने दो इकाइयों के प्रबंधन द्वारा अपनाए जा रहे अग्नि सुरक्षा नियमों के बारे में कहा कि वर्ष में दो बार अग्नि सुरक्षा ऑडिट किया जाता है और हर खामी को दूर किया जाता है, फिर भी मालिकों व कंपनी के अधिकारियों का यह कर्तव्य है कि वे अग्नि सुरक्षा मानकों का पूर्ण रूप से पालन करें। जैसे ही शाम ढलने लगी, मृतकों और लापता व्यक्तियों के कई रिश्तेदार घटनास्थल पर जमा हो गए और अग्निशमन सेवा एवं पुलिस अधिकारियों से स्थिति की जानकारी लेने लगे।

बैंगलुरु में कांग्रेस का 'लोक भवन चलो' मार्च,

सीएम सिद्धारमैया गरजे- संवैधानिक अधिकार छीन रही केंद्र सरकार

बैंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस का विरोध वीबी जी राम जी विधेयक के माध्यम से एमजीएनआरईजीए को निरस्त करने के विरोध में था। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कदम संवैधानिक अधिकारों का हनन करता है और केंद्र सरकार के हाथों में सत्ता का केंद्रीकरण करता है। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने आज बेंगलुरु में केंद्र के वीबी जी राम जी अधिनियम के खिलाफ राज्य स्तरीय विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने %लोक भवन चलो% विरोध प्रदर्शन के लिए बसों से कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए लोक भवन तक का सफर तय किया।

सिद्धारमैया ने कहा कि पार्टी ने मांग की है कि इस कानून को रद्द किया जाए और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को बहाल किया जाए। राजभवन में पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि विरोध प्रदर्शन में राज्य भर से हजारों लोग शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अदालत के आदेश का पालन करते हुए रैली नहीं निकाली और इसके बजाय बसों से राजभवन पहुंचकर अपना विरोध दर्ज कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज, केपीसीसी की ओर से, हमने राज्य स्तरीय विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। इस प्रदर्शन में हजारों लोगों ने भाग लिया। चूंकि अदालत का आदेश है, इसलिए हमने विरोध रैली नहीं निकाली और दो बसों से राजभवन आए।

सिद्धारमैया ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन वीबी जी राम जी विधेयक के माध्यम से एमजीएनआरईजीए को निरस्त करने के विरोध में किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कदम संवैधानिक अधिकारों का हनन करता है और सत्ता को केंद्र सरकार के हाथों में केंद्रित करता है। उन्होंने कहा कि कारण यह है कि वीबी जी राम जी विधेयक के जरिए एमजीएनआरईजीए को निरस्त कर दिया गया है। वे संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों को छीन रहे हैं। अब, इस वीबी जी राम जी विधेयक के साथ, केंद्र सरकार ही सब कुछ तय करेगी।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि कांग्रेस आने वाले दिनों में पूरे कर्नाटक में अपना आंदोलन तेज करेगी। उन्होंने कहा, ÷हम पूरे राज्य में अपना विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्हें इस वीबी जी राम जी विधेयक को निरस्त करके एमजीएनआरईजीए को वापस लाना चाहिए। तब तक, हम अपना संघर्ष जारी रखेंगे।÷ उन्होंने आगे कहा कि पार्टी जन समर्थन जुटाने के लिए राज्य के कई हिस्सों में पदयात्रा करेगी। उन्होंने कहा कि हम राज्य के कई स्थानों पर पदयात्रा करेंगे। इसके अलावा, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि पार्टी ने फैसला किया है कि कर्नाटक की सभी ग्राम पंचायतों का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखा जाएगा।

झारखंड नगर निकाय चुनाव : मतदान 23 फरवरी को, 27 को आएंगे परिणाम

-चुनाव आयोग की घोषणा के साथ ही पूरे झारखंड में आदर्श आचार संहिता लागू

रांची (एजेंसी)। झारखंड में लंबे समय से प्रतीक्षित नगर निकाय चुनावों की तारीखों का ऐलान हो गया है। राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी ने रांची में कहा कि राज्य की सभी नगर पालिकाओं, नगर निगमों और नगर परिषदों के लिए एक साथ चुनाव कराए जाएंगे। चुनाव आयोग की घोषणा के साथ ही पूरे झारखंड में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के मुताबिक 23 फरवरी को नगर निकाय चुनाव के लिए मतदान होगा और चुनाव के नतीजे 27 फरवरी को आएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने कहा है कि नगर निकाय चुनाव, 9 जनवरी को जारी की गई आरक्षण सूची के आधार पर ही होंगे। इस बार रांची नगर निगम का मेयर पद अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। वहीं, धनबाद और चास नगर निगम के मेयर पद को सामान्य श्रेणी के लिए रखा गया है। इसके साथ ही राज्य की 20 नगर परिषदों में अध्यक्ष पदों के लिए एससी, एसटी, ओबीसी और अनारक्षित श्रेणियों के साथ-साथ महिला आरक्षण का भी पूरा ध्यान रखा गया है। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक गिरिडीह, गढ़वा, दुमका, जामताड़ा, साहेबगंज और पूर्वी सिंहभूम जैसे जिलों की कई नगर पंचायतों में अध्यक्ष का पद महिलाओं के लिए आरक्षित किया है। वहीं, खूंटी, लातेहार, गोड्डा और रांची जैसे आदिवासी बहुल इलाकों में अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग को प्राथमिकता दी गई है।

हिमाचल में जमकर हुई बर्फबारी, मनाली में सैकड़ों पर्यटक फंसे, रास्तों पर लग गया लंबा जाम

मनाली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में 23 जनवरी से जारी भारी बर्फबारी ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। मनाली और इसके आसपास के क्षेत्रों में कुदरत के सफेद कहर की वजह से सड़कें बंद हो गई हैं, जिससे सैकड़ों पर्यटक बीच रास्ते में फंस गए हैं। ताजा जानकारी के मुताबिक, मंगलवार सुबह मनाली के सोलंगनाला में एक बार फिर बर्फबारी शुरू हो गई है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है।

सड़कों पर जमी बर्फ की मोटी चादर के कारण नेशनल हाईवे-3 पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हालांकि, अधिकारियों ने सोमवार को सोलंगनाला तक सड़क साफ करने का काम किया, लेकिन वर्तमान में वहां केवल छोटे और हल्के वाहनों को ही आवाजाही की अनुमति दी गई है। बसों का संचालन अभी भी बाधित है और वे मनाली से करीब 16 किलोमीटर दूर पतलीकुहल तक ही जा पा रही हैं। रविवार की तुलना में स्थिति में मामूली सुधार जरूर हुआ है, लेकिन पर्यटकों की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। पिछले दिनों मनाली में 15 किलोमीटर लंबा भारी ट्रैफिक जाम देखा गया, जहां पर्यटकों को कड़कड़ाती ठंड में अपना सामान उठाकर पैदल चलते हुए देखा गया।

जिला प्रशासन लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि मुख्य सड़कें बंद होने के कारण पर्यटक अपने होटलों तक ही सीमित हैं। सड़कों से बर्फ हटाने का काम युद्धस्तर पर जारी है, लेकिन ट्रैफिक व्यवस्था को पूरी तरह बहाल करने में अभी कुछ समय और लग सकता है। फिसलन भरी सड़कों को देखते हुए पतलीकुहल से मनाली की ओर केवल चार पहिया वाहनों को ही जाने दिया जा रहा है। मौसम विभाग ने 27 जनवरी के लिए भारी बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिससे पतलीकुहल-मनाली और मणिकरण-भुंतर मार्ग के पूरी तरह बंद होने का खतरा बढ़ गया है। पुलिस और प्रशासन ने पर्यटकों एवं स्थानीय निवासियों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे मौसम साफ होने तक ऊंचे इलाकों, नदियों, नालों और हिमस्खलन की संभावना वाले क्षेत्रों की ओर न जाएं। कुल्लू पुलिस के अनुसार, यदि मौसम और बिगड़ता है तो केवल 4गुणा4 वाहनों को ही आगे बढ़ने की अनुमति होगी। यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों, जैसे राइट बैंक मार्ग, का उपयोग करने का सुझाव दिया गया है। खराब मौसम और तूफान की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने सभी से सतर्क रहने और आधिकारिक सूचनाओं का पालन करने का आग्रह किया है।

2000 के नोटों से भरे दो ट्रक की लूट ने लिया सियासी रंग, कांग्रेस-बीजेपी आमने-सामने

-प्रियांक खड़गे ने नकदी की इस आवाजाही को गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा से जोड़ा

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक और महाराष्ट्र की सीमा पर 2000 के नोटों के 400 करोड़ रुपए की लूट ने सियासी रंग ले लिया है। कर्नाटक की सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्षी बीजेपी ने एक-दूसरे पर जमकर निशाना साधा। पिछले साल 22 अक्टूबर को चोरला घाट पर हुई इस लूट का मामला कुछ समय पहले तब सामने आया था, जब पीड़ित संदीप पाटिल ने नासिक में लूट की शिकायत दर्ज कराई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित संदीप ने बताया कि दो ट्रक में भरकर यह पैसा ले जाया जा रहा था। उसी वक्त 6 लोगों ने हथियारों के दम पर उसे लूट लिया। घटना की जानकारी सामने आते ही कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने महाराष्ट्र की बीजेपी सरकार पर सवाल उठाते हुए नकदी की इस आवाजाही को गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा से जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि हमें नहीं पता कि यह पैसा किसका था। जांच होने दीजिए ताकि पता चल सके कि यह कांग्रेस, बीजेपी, एनसीपी या शिवसेना का है या नहीं। असल सवाल तो यह है कि बीजेपी सरकारें क्या कर रही हैं। ये तीनों सरकारें अपनी नाक के नीचे ये सारी गतिविधियां कैसे कर रही हैं?

रिपोर्ट के मुताबिक कुछ बीजेपी विधायकों के इस आरोप का जिक्र करते हुए कहा कि नोटबंदी के बाद 2,000 रुपए के नोटों को काले धन से सफेद धन में बदलने के लिए तिरुपति ले जाया जा रहा था, प्रियांक खड़गे ने पूछा कि उनके पास ऐसी जानकारी कैसे है, जो सरकारों के पास भी नहीं है? उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश, जहां तिरुपति स्थित है, पर किसका शासन है? केंद्र को इन सवालों का जवाब देना होगा। प्रियांक ने कहा कि पीएम के पास जेन जेड और भजन क्लबों के बारे में बोलने का समय है, लेकिन उन्हें ट्रकों में तस्करी किए जा रहे 400 करोड़ रुपए की नकदी की कोई जानकारी नहीं है। क्या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सो रहे हैं? 'वह कहां है?'

प्रियांक खड़गे द्वारा उठाए सवालों के बाद बीजेपी नेता चलावादी नारायणस्वामी ने कांग्रेस सरकार पर फंडिंग का स्त्रोत बनने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कर्नाटक से पैसा सभी चुनावों के लिए भेजती है, क्योंकि कांग्रेस-शासित तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश से फंड नहीं जुटाया जा सकता।

उन्होंने सिद्धारमैया सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि गृह लक्ष्मी गारंटी योजना के तहत फरवरी और मार्च 2025 के लिए 5,000 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं किया गया है। पहले कहा गया कि भुगतान हो चुका है, बाद में उन्होंने खुद माना कि भुगतान नहीं हुआ। ऐसा सिर्फ कांग्रेस ही कर रही है। वहीं, बेलगावी के पुलिस अधिकारी ने इस मामले पर कहा कि अब तक कर्नाटक में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है, क्योंकि न तो

कोई शिकायत और न ही कोई ठोस सबूत सामने आए हैं। सिर्फ अफवाहों के आधार पर कार्रवाई नहीं की जा सकती। बता दें नासिक पुलिस के मुताबिक घटना में 2000 रुपए के पुराने नोटों में 400 करोड़ रुपए मौजूद थे, जिन्हें दो ट्रकों में भरकर ले जाया जा रहा था। इन्हें रास्ते में लूट लिया गया। महाराष्ट्र पुलिस ने इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है और रुपयों की दावे की जांच के लिए विशेष समिति गठित की है।

शंकराचार्य विवाद में उमा भारती की एंट्री, बोलीं- सबूत मांगना गलत, मेरा बयान योगी के खिलाफ नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता उमा भारती ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी से उनके शंकराचार्य पदवी का प्रमाण मांगना मर्यादा का उल्लंघन है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनके इस कथन का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अनादर करना नहीं है। एक पोस्ट में भारती ने कहा कि इस तरह के प्रमाण मांगने का अधिकार केवल शंकराचार्य या विद्वान परिषद के पास है। उमा भारती ने एक्स पर लिखा कि मुझे विश्वास है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज एवं उत्तर प्रदेश सरकार के बीच कोई सकारात्मक समाधान निकल आएगा किंतु प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा शंकराचार्य होने का सबूत मांगना, यह प्रशासन ने अपनी मर्यादाओं एवं अधिकारों का उल्लंघन किया है, यह अधिकार तो सिर्फ शंकराचार्यों का एवं विद्वत परिषद का है। हालांकि, इसके बाद उमा भारती ने एक और एक्स पोस्ट किया।

बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण 2029 का लोकसभा चुनाव अयोध्या से लड़ेंगे?

-फैजाबाद से विनय कटियार ने टिकट मांगा, बृजभूषण बोले- वह इसके हकदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व बीजेपी सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने फैजाबाद से 2029 का लोकसभा चुनाव लड़ने का संकेत दिया है और कहा कि सही वक्त पर आखिरी फैसला लिया जाएगा। बृजभूषण ने एक शोरूम का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से यह बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या जिले की एकमात्र लोकसभा सीट फैजाबाद से पूर्व बीजेपी सांसद विनय कटियार पार्टी टिकट के हकदार हैं।

बृज भूषण ने कहा कि यहां से दावा करना कटियार का अधिकार है और इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है। वह इसके पूरी तरह हकदार हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद फैजाबाद से अप्रत्याशित विजेता थे। उन्होंने बीजेपी के लल्लू सिंह को हराया था। हाल ही में अपने जन्मदिन के मौके पर आयोजित शक्ति प्रदर्शन में बृज भूषण ने 2029 के आम चुनावों की तैयारी का संकेत दिया था।

उनके के बेटे और कैसरगंज से मौजूदा बीजेपी सांसद करण भूषण सिंह ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि पिता-पुत्र की जोड़ी 2029 के चुनावों में मैदान में उतरेगी। सोमवार को बृज भूषण सिंह ने युवाओं और सोशल मीडिया से मिल रहे समर्थन के लिए आभार जताया और अपने बढ़ते प्रभाव का श्रेय जनता के प्यार और यकीन को दिया, जिसे उन्होंने अपनी सबसे बड़ी ताकत बताया।

भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने यूपी में तीन संसदीय क्षेत्रों का छह बार प्रतिनिधित्व किया है। पिछले दिनों उन पर कई महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद 2024 के आम चुनावों से पहले बीजेपी ने टिकट नहीं दिया था। देश के कुछ टॉप पहलवानों, ओलंपियन विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन किया और बृज भूषण पर अनुचित व्यवहार और सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया था। पिछले साल दिल्ली कोर्ट ने नाबालिग महिला पहलवान द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में बृज भूषण को बरी कर दिया था। इस दौरान दिल्ली पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया गया था, जिसमें बृजभूषण के खिलाफ मामला रद्द करने की सिफारिश की गई थी।

आदिवासी बस्तियों को उजाड़ने के विरोध में एकनाथ शिंदे के घर के बाहर रातभर प्रदर्शन

-बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के घरों को उजाड़ना, मानवाधिकार का उल्लंघन

मुंबइ (एजेंसी)। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के वन क्षेत्रों में सालों से रह रहे आदिवासियों और प्रशासन के बीच तनाव बढ़ गया है। सोमवार को प्रशासन द्वारा आदिवासियों की बस्तियों को तोड़ने के विरोध में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के ठाणे स्थित घर के बाहर रातभर प्रदर्शन किया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शनकारियों का दावा है कि वे पीढ़ियों से इस क्षेत्र में रह रहे हैं। उन्होंने सोमवार को प्रशासन द्वारा उनके आवासों पर की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई की निंदा की और देर रात डिप्टी सीएम शिंदे के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। राज्य आदिवासी विकास समिति के अध्यक्ष ने कहा कि जब तक 2018 की पुनर्वास योजना लागू नहीं हो जाती और प्रभावित परिवारों को फिर से बसाया नहीं जाता, तब तक तोड़फोड़ नहीं होनी चाहिए। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले संगठन के एक पदाधिकारी के मुताबिक पुनर्वास योजना पर चर्चा का आश्वासन मिलने के बाद आदिवासियों ने अपना आंदोलन खत्म कर दिया। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत आने वाली आदिवासी बस्तियों पर सोमवार को प्रशासन ने तोड़फोड़ की कार्रवाई की। कार्रवाई से नाराज आदिवासियों का कहना है कि वे इन जंगलों में कई पीढ़ियों से रह रहे हैं और उनके पास यहां रहने का अधिकार है। बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के उनके घरों को उजाड़ना उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन है। राज्य आदिवासी विकास समिति के अध्यक्ष और पूर्व विधायक ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई पर कड़े सवाल उठाए हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह में राहुल और खरगे को तीसरी पंक्ति में बिठाया, छिड़ गई सियासी जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की एकता, गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक माना जाने वाला गणतंत्र दिवस इस बार राजनीतिक खींचतान का केंद्र बन गया। कर्तव्य पथ से लेकर राष्ट्रपति भवन तक, राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं के सम्मान व प्रोटोकॉल को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच ऐसी महाभारत छिड़ी कि उत्सव का माहौल सियासी कुरुक्षेत्र में तब्दील होता नजर आया।

विवाद की शुरुआत कर्तव्य पथ पर आयोजित मुख्य परेड के दौरान हुई। यहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को तीसरी पंक्ति में बिठाया गया, जिस पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई। पार्टी ने इसे प्रोटोकॉल का उल्लंघन और विपक्ष के शीर्ष नेताओं का जानबूझकर किया गया अपमान करार दिया। कांग्रेस नेतृत्व ने सवाल उठाया कि क्या नेता प्रतिपक्ष के साथ ऐसा व्यवहार लोकतांत्रिक मर्यादाओं और परंपराओं के अनुरूप है? विपक्ष ने 2014 की पुरानी तस्वीरें साझा कर केंद्र सरकार को घेरा, जिसमें तत्कालीन विपक्षी नेता अग्रिम पंक्तियों में नजर आ रहे थे। कांग्रेस का आरोप है कि यह सरकार की हीन भावना को दर्शाता है। हालांकि, सत्ता पक्ष की ओर से तर्क दिया गया कि बैठने की व्यवस्था राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी टेबल ऑफ प्रेसीडेंस के नियमों के तहत ही की गई थी, जिसमें विभिन्न पदों के लिए वरीयता क्रम निर्धारित होता है।

गणतंत्र दिवस की शाम राष्ट्रपति भवन में आयोजित एट होम रिसेप्शन के दौरान विवाद और गहरा गया। इस बार कार्यक्रम की थीम पूर्वोत्तर भारत (नॉर्थ ईस्ट) पर आधारित थी। समारोह में प्रधानमंत्री और विदेशी मेहमानों सहित सभी को पारंपरिक पटका दिया गया था। विवाद तब शुरू हुआ जब राहुल गांधी उस पटके को गले में पहनने के बजाय हाथ में पकड़े नजर आए। बीजेपी ने इस मुद्दे पर राहुल गांधी को घेरते हुए इसे पूर्वोत्तर की संस्कृति और राष्ट्रपति पद का अपमान बताया। सत्ता पक्ष के नेताओं का दावा है कि राष्ट्रपति द्वारा आग्रह किए जाने के बावजूद उन्होंने पटका नहीं पहना। बीजेपी का आरोप है कि विपक्ष की यह उपेक्षा भारत की सांस्कृतिक विविधता के प्रति उनके नजरिए को दर्शाती है। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे फर्जी प्रोपेगेंडा करार दिया। पार्टी नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी का पूर्वोत्तर के प्रति प्रेम और जुड़ाव जगजाहिर है। कांग्रेस सांसदों ने दावा किया कि रिकॉर्डिंग और सीसीटीवी फुटेज देखने पर सच्चाई साफ हो जाएगी कि राहुल गांधी ने पटका पहना था। कुल मिलाकर, इस साल का गणतंत्र दिवस समारोह केवल सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक झांकियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सत्ता और विपक्ष के बीच बढ़ती कड़वाहट का गवाह भी बना। जहां कांग्रेस इसे आत्मसम्मान और लोकतांत्रिक परंपराओं का हनन बता रही है, वहीं बीजेपी इसे विपक्ष की नकारात्मक राजनीति करार दे रही है। राष्ट्रीय पर्व के इस मौके पर उभरे विवादों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में यह सियासी तल्खी और बढ़ सकती है।

वांछित तस्करो पर प्रभावी कार्यवाही, मादक पदार्थ के अलग अलग मामलो में दो आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

पुर थाना पुलिस ओर डीएसटी ने मादक पदार्थ तस्करी मे वांछित अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए मादक पदार्थ तस्करी के दो अलग-अलग मामलो मे वांछित दो अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है । एक 15000 रूपये के ईनामी वांछित अपराधी को गिरफ्तार किया है जो अन्य जिलों मे भी मादक पदार्थ तस्करी के प्रकरणो मे वांछित है। एक अन्य मामले मे भी टीम ने मादक पदार्थ तस्करी मे लिप्त अपराधी को पकड़ा है । इस कार्यवाही में डीएसटी के कांस्टेबल अमृत सिंह और राजेश भंडारी की विशेष भूमिका रही वही दूसरी कार्यवाही में पुर थाने के कांस्टेबल राजेश, जगदीश और विक्रम सिंह का विशेष योगदान रहा । एसपी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा वांछित अपराधियो की गिरफ्तार करने के लिए एएसपी पारस जैन, बुद्धरा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाडा के निर्देशन व मांडल वृताधिकारी

राहुल जोशी के सुपरविजन में टीम का गठन किया जिसका नेतृत्व पुर थानाधिकारी कन्हैया लाल ने किया टीम में डीएसटी को भी शामिल किया गया । टीम की पहली कार्यवाही अनुसार दिनांक 31.03.2025 को तत्कालीन पुर थानाप्रभारी जय सुल्तान सिंह कविया द्वारा आरोपी रोहताश पुत्र कृष्ण कुमार विश्नोई उम्र 35 साल निवासी काजलहेडी थाना फतेहाबाद सदर जिला फतेहाबाद (हरियाणा) द्वारा ट्रक कन्टेनर मे 564.200 किलोग्राम डोडा चुरा रख परिवहन करने पर एनडीपीएस एक्ट मे मामला दर्ज किया मामले की जांच कन्हैया लाल थानाधिकारी द्वारा की जा रही थी । मामले मे वांछित अपराधी दिनेश जटिया पुत्र वेणी प्रसाद निवासी भादसोडा जिला चित्तौडगढ की तलाश की गयी एवं आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक ने 15000 रूपयो का ईनाम रखा । गठित टीम ने सूचना एकत्रित कर तकनीकी सहयोग एवं परम्परागत पुलिसिंग तरीको को अपनाते हुए वांछित ईनामी आरोपी दिनेश जटिया पुत्र वेणी प्रसाद निवासी भादसोडा थाना भादसोडा जिला चित्तौडगढ को गिरफतार किया गया। आरोपी दिनेश जटिया जिला चुरू के थाना सावा के प्रकरण मे लगभग 1700 किलो डोडा चुरा तस्करी के मामले मे व तारानगर थाने के लगभग 140 किलो डोडा चुरा तस्करी के एनडीपीएस एक्ट प्रकरण मे भी वांछित है और शातिर प्रवृति का अफिम डोडा चुरा तस्कर है। टीम में थानाप्रभारी कन्हैया लाल, एचसी प्रताप सिंह हैड डीएसटी, कांस्टेबल ऋषिकेष डीएसटी, अमृत सिंह डीएसटी (विशेष योगदान) राकेश भण्डारी (विशेष योगदान) रविन्द्र सिंह, एचसी यशवीर सिंह पुर थाना, विक्रम सिंह शामिल रहे ।

टीम की दूसरी कार्यवाही

दिनांक 06.12.2025 रविन्द्र सिंह उ. नि. थाना माण्डल द्वारा आरोपी जाहिर खान भोमिया उर्फ जहिर पुत्र मुबारिक हुसैन उम्र व्यस्क निवासी भोमियो की मस्जिद के पास, माण्डल पुलिस थाना माण्डल जिला भीलवाडा एवं अलनवाज पुत्र अनवर हुसैन उम्र व्यस्क निवासी 80 फिट रोड, मैन रोड वार्ड नंबर 4, मुलातलाई थाना अम्बामाता जिला उदयपुर द्वारा बिना नंबरी बजाज पल्सर मोटर साईकिल पर 5.93 ग्राम मेथीलीन ड्राईऑक्सी एम्फीटामाईन (एमडीए) रखने पर माण्डल थाने में एनडीपीएस एक्ट मे मामला दर्ज कर जांच पुर थानाप्रभारी कन्हैया लाल को सौपी। जांच के दौरान आरोपी द्वारा उक्त मादक पदार्थ इसराइल उर्फ एसराइल पुत्र खाजु मंसूरी निवासी भोमियो की मस्जिद के पास, माण्डल पुलिस थाना माण्डल जिला भीलवाडा से खरीदना बताया। जिस पर इसराइल उर्फ एसराइल मंसुरी की तलाश की गयी तथा थानाधिकारी कन्हैया लाल के नेतृत्व मे थाना पुर से गठित टीम ने मानवीय आसूचना संकलन कर तकनीकी सहयोग लिया एवं परम्परागत पुलिसिंग अपनाते हुए वांछित आरोपी इसराइल उर्फ एसराइल पुत्र खाजु मंसूरी निवासी भोमियो की मस्जिद के पास, माण्डल पुलिस थाना माण्डल जिला भीलवाडा को उदयपुर से गिरफतार किया गया। इस टीम में पुर थानाप्रभारी कन्हैया लाल , एचसी यशवीर सिंह थाना पुर, राजवीर पुर थाना (विशेष योगदान) विनोद थाना पुर (विशेष योगदान) विक्रम सिंह और जगदीश (विशेष योगदान) शामिल रहे ।

कन्या महाविद्यालय की छात्राओं को दी यातायात नियमों की जानकारी

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

धर्मेन्द्र सिंह आईपीएस जिला पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है । इसी के तहत सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सेठ मुरलीधर मानसिंहका कन्या महाविद्यालय की छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी गई । भीलवाड़ा पुलिस ने आमजन से अपील की है वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करे, ड्राईविंग करते समय लापरवाही न करे । महानिदेशक पुलिस, यातायात,राजस्थान, जयपुर के आदेश की पालना में एसपी धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिले मे दिनांक 01.1.2026 से 31.01.2026 तक सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है। सड़क सुरक्षा माह के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, सुगम एवं सुदृढ यातायात व्यवस्था हेतु आमजन में जागरूकता लाने के लिए जिले के सेठ मुरलीधर मानसिंहका कन्या महाविधालय की छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी यथा दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट, चौपहिया वाहन चलाते समय सीटबेल्ट लगाने एवं वाहन पर रिफ्लेक्टर लगाने हेतु जागरूक किया गया।

भीलवाड़ा पुलिस की आमजन से अपील

वाहन चलाते समय यातायात नियमों का करें पालन, ड्राईविंग करते समय लापरवाही नहीं करें तथा सावधानी पूर्वक वाहन चलाएं।

आटी ग्राम के चारागाह भूमि से अवैध पत्थर परिवहन करने पर 1 लाख 58 हजार का जुर्माना वसूला

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। बिजौलियाँ क्षेत्र के आटी गांव मे सरकारी चारागाह भूमि से अवैध पत्थर का परिवहन करने पर खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग ने सयुंक्त कार्यवाही करते हुए 1लाख 58हजार का जुर्माना वसूला।

फोरमैन की गिरिराज मीणा ने बताया कि आटी ग्राम चारागाह जंगल क्षेत्र से अवैध रूप से पत्थर ट्रेलर मे भरकर ले जाया जा रहा था। ट्रेलर को काटबड़ा के पास से जप्त कर बिजोलिया थाने लाया गया और 1लाख 58 हजार को जुर्माना लगाया था जिसकी वसूली की जा चुकी है।

शिक्षकों की विभिन्न मांगों पर शिक्षा मंत्री की उदासीनता को लेकर शिक्षक संघ (सियाराम) का आंदोलन

रामगंजमंडी में सांकेतिक विरोध प्रदर्शन के तहत आयोजित शिक्षक रैली में भीलवाड़ा से 100 शिक्षक लेंगे भाग

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा आयोजित प्रायोगिक परीक्षा के दौरान बिना आवेदन लिए हजारों शिक्षकों के स्थानांतरण करने से विद्यार्थियों को हुए नुकसान का विरोध, स्थाई व पारदर्शी शिक्षक स्थानांतरण नीति लागु करने,तृतीय वेतन श्रंखला अध्यापकों की पदोन्नति सहित शिक्षकों के विभिन्न केडर की प्रमुख मांगों को लेकर सरकार द्वारा की गई वादा खिलाफी को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) द्वारा शिक्षा मंत्री के विधानसभा क्षेत्र रामगंजमंडी,कोटा में एक फरवरी को सांकेतिक विरोध प्रदर्शन के तहत आयोजित विशाल शिक्षक रैली में भीलवाड़ा जिले से प्रदेश सह संगठन मंत्री प्रेमशंकर जोशी व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में 100 शिक्षकों का दल भाग लेगा। यह जानकारी देते हुए शिक्षक संघ (सियाराम) के जिला मंत्री महेश मंडोवरा ने बताया कि विद्यालयों में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की प्रायोगिक परीक्षाएं चल रही है।बोर्ड परीक्षाओं के दौरान ही हजारों की संख्या में प्रधानाचार्य, उप प्रधानाचार्य एवं व्याख्याताओं के स्थानांतरण बिना आवेदन लिए किए गए हैं,इससे बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के साथ अन्याय हुआ है।शिक्षा विभाग के इतिहास में यह पहला अवसर है कि बिना आवेदन मांगे शिक्षकों के स्थानांतरण बोर्ड की प्रायोगिक परीक्षाओं के चलते किए गए हैं। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र शर्मा ने बताया कि शिक्षक संघ (सियाराम) शिक्षकों की मांगों को लेकर हमेशा आंदोलनरत रहा है। सरकार द्वारा संगठन के मांग पत्र को लेकर समय-समय पर वार्ता करने का लिखित आश्वासन पूर्व में दिया गया था। विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश पर शिक्षा सचिव की अध्यक्षता में 29 अगस्त 2025 को मांग पत्र को लेकर संगठन पदाधिकारियों के साथ वार्ता की गई। इस वार्ता में हुए निर्णयों पर सरकार द्वारा आज तक कोई क्रियान्विति नहीं की गई।

शिक्षकों की विभिन्न मांगों पर शिक्षा मंत्री की उदासीनता से राज्य के शिक्षकों में रोष व्याप्त है। इन्हीं मुद्दों को लेकर संगठन द्वारा शिक्षा मंत्री के विधानसभा क्षेत्र रामगंज मंडी में एक फरवरी को सांकेतिक विरोध प्रदर्शन के तहत विशाल शिक्षक रैली निकाली जाएगी।प्रमुख मांगों में पारदर्शी व स्थाई शिक्षक स्थानांतरण नीति बनाकर तृतीय वेतन श्रृंखला सहित सभी केडर के शिक्षकों के तबादले करने,अतिरिक्त विषय के साथ स्नातक करने वाले तृतीय वेतन श्रंखला अध्यापकों को वरिष्ठ अध्यापक पद की पदोन्नति के लिए पात्र मानते हुए बकाया वर्षों की डीपीसी करने हेतु सुप्रीम कोर्ट में सटीक पैरवी करने, शिक्षकों को शैक्षणिक कार्यों के अतिरिक्त अन्य सभी गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्ति दिलाने , पी ई ई ओ एवं यूसीईईओ पर कार्य का अत्यधिक दबाव होने से उन्हें अतिरिक्त स्टॉफ व स्टेशनरी भत्ता एवं 10 प्रतिशत हार्ड ड्यूटी भत्ता देने, विगत वर्षों की बकाया डीपीसी शीघ्र कराने, वर्ष 2007-08 में नियुक्त प्रबोधकों एवं शिक्षकों की वेतन विसंगतियों को दूर करने,एडीईओ व एसीबीईओ के पदों पर न्यूनतम तीन वर्षों का अनुभव रखने वाले प्रधानाचार्यों को ही पद-स्थापित करने,नव क्रमोन्नत उच्च माध्यमिक विद्यालयों में व्याख्याता के पदों की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने, वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों के लिए टेट उत्तीर्ण की अनिवार्यता समाप्त करने, संस्कृत शिक्षा के शिक्षकों, कम्प्यूटर अनुदेशकों, व्यावसायिक प्रशिक्षकों व विशेष शिक्षकों की मांगें शामिल है।

ऑनलाइन विज्ञान प्रश्नोत्तरी में 31 हजार से ज्यादा विद्यार्थी लाभान्वित हुए

स्मार्ट हलचल | शाहपुरा

माध्यमिक शिक्षा विभाग भीलवाड़ा और चूरिया मूरिया सेवा संस्था ने सत्र 2025-26 में नवाचार करते हुए कक्षा 10 और 12 वीं बोर्ड के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा तैयारी, तनाव मुक्ति और आत्म विश्वास बढ़ाने के लिए विज्ञान और बायोलॉजी विषयों में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम आधारित ऑनलाइन क्विज 4 अगस्त से निरन्तर आयोजित करवाई जो अभ्यास हेतु जारी है। सचिव हेमलता अग़नानी ने बताया कि बुधवार को इस क्विज की हार्ड कॉपी सी डी ई ओ अरुणा गारू को उनके कार्यालय में भेंट की। विज्ञान विषय में राज्य के 22580 विद्यार्थी और जीव विज्ञान ऑनलाइन क्विज में 9103 विद्यार्थी सहित कुल 31683 विद्यार्थी अब तक लाभान्वित हुए हैं। इस मनोरंजक सचित्र क्विज, गृह कार्य प्रश्नों का निर्माण शिक्षाविद रमेश अगनानी, राज उच्च माध्यमिक विद्यालय पनोतिया, शाहपुरा के विज्ञान शिक्षक महेश कुमार कोली, जोरावरपुरा के कम्प्यूटर शिक्षक अंकित राज ने किया। कार्यक्रम में समग्र शिक्षा कार्यक्रम अधिकारी नीरज शर्मा, संस्था सदस्य दलपत सिंह जैन, आदि भी उपस्थित थे। विद्यार्थियों ने भी फीडबैक में इन प्रश्नों और गृह कार्य को बोर्ड परीक्षा तैयारी के लिए अत्यंत उपयोगी बताया है। अभ्यास हेतु क्विज लिंक विद्यार्थी हित में बोर्ड परीक्षा 2026 तक ओपन रहेगा।

अतिक्रमण हटाने को लेकर उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र के इन्दौकडा की झुपडिया ग्राम पंचायत आकोला की चरागाह भूमि पर गांव के ही कुछ व्यक्तियो ने जबरन लाठी के बल एवं भुजबल के आधार पर अवैध कब्जा करके तारबंदी कर दी । चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने को लेकर आज बुधवार को आकोला प्रशासक शिवलाल जाट के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपखंड कार्यालय पर पहुंचे, जहां उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा कर अतिक्रमण हटाने की मांग की । ग्रामीणों ने बताया कि गांव के ही कुछ लोग चारागाह भूमि पर तारबंदी लगाकर अतिक्रमण कर दिया तथा चारागाह भूमि पर तारबंदी करके पक्के कब्जे किया है । ये व्यक्ति गांव के मवेशीयो के चरने हेतु आरक्षित चारागाह की भूमि में पशुओ को नही चरने देते हैं, जिससे ग्राम के मवेशियों के चरने हेतु चरागाह का संकट पैदा हो रहा हैं तथा कई बार समझाने के बावजूद उक्त अतिक्रमणकारी चारागू से अतिक्रमण नही हटा रहे हैं तथा चारागाह भूमि से अवैध कब्जा हटाने की बात करने पर अतिक्रमण कारियो द्वारा ग्रामवासीयो के साथ गाली ग्लीच एवं मारपीट कर डराया धमकाया जा रहे हैं । जिससे ग्रामवासियो में आकोश भर रहा हैं । इसे लेकर बुधवार को इन्दौकडा की झूपडिया से बड़ी संख्या में महिला पुरुष कोटड़ी उपखंड मुख्यालय पर पहुंचे, जहा उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपाकर अति शीघ्र अतिक्रमण हटाने की मांग की । इस दौरान कालू सिंह, हनुमान सिंह, शिवराज गुर्जर, कालू गुर्जर, नारू गुर्जर, भगवान गुर्जर, बद्री गुर्जर, जयलाल गुर्जर, अर्जुन गुर्जर, सांवर गुर्जर, भंवर गुर्जर, बर्मा लाल गुर्जर, रामचन्द्र गुर्जर, रामा गुर्जर, लादू बैरवा, रामेश्वर बैरवा आदि कई मौजूद रहे।

सुंदरगढ़ नुवागण माताजी मंदिर के नजदीक आया पैंथर

स्मार्ट हलचल

खजुरी। जहाजपुर उपखण्ड क्षेत्र के उलेला ग्राम पंचायत के नजदीक सुंदरगढ़ गांव मे एक पैंथर का शावक नजर आया जिससे गांव मे हड़कंप मच गया घटना नुवागण माताजी के मंदिर कें पास की बताई गई है इस बीच गांव के लोगो की भीड़ जमा हो गई, सुचना पर जनसेवक परमेश्वर मीणा ने वनकर्मी भेरुलाल मीणा को सूचना दी जंगल मे बकरी चराने वालों मे दहशत जैसी हालत बन गई । इस शावक के साथ बड़ा परिवार होने की संभावना जताई जा रही हैं हल्ला होने से पेंथर दहाड़ते हुए झाड़ियों मे छिप गया इस दौरान कई लोगो की भीड़ जमा हो गई।

यूजीसी एक्ट के विरोध में विप्र सेना ने दिया ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

पूरे देश मे ब्राह्मण समाज के वैश्विक संग़ठन विप्र सेना के तत्वाधान में रष्ट द्वारा 2026 में अधिसूचित नए जाति-आधारित भेदभाव-विरोधी नियमों के विरोध में ज्ञापन व विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है । इसी क्रम में विप्र सेना भीलवाड़ा के कार्यकर्ताओं ने भीलवाड़ा सांसद एवं लोकसभा प्रवर सिमिति सदस्य दामोदर अग्रवाल को ज्ञापन सौपा ।

विप्र सेना के जिलाध्यक्ष दीपक सुल्तानिया ने बताया की जातिगत भेदभाव को मिटाने के नाम पर बनाए गए यूजीसी एक्ट साफ नियत से बनाना चाहिए था, सियासी नजरिए से नहीं। इस काले कानून को बनाने की जरूरत नहीं थी जबकि देश में पहले से भारतीय न्याय संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता, एंटी रैगिंग नियम और एससी-एसटी एक्ट बना हुआ है तो नये जातिगत नियमों की क्या आवश्यकता है।

जातिगत भेदभाव देश के लिए नासूर है ऐसे मामलों में दोषी के खिलाफ सख्त सजा का प्रावधान होना चाहिए मगर निर्दोष को बचने का अवसर भी मिलना चाहिए 2012 में बने नियम में था कि अगर आप गलत निकले या फसाने की मंशा निकले तो जुर्माना लगता था, ये नए नियम में क्यों नहीं है। पहले सिर्फ स्ट स' ही इस दायरे में आते थे, अब नए एक्ट में ओबीसी वर्ग को भी जोड़ दिया गया, इससे यह प्रतीत होता है कि सवर्ण समाज को पहले से ही दोषी मान लिया गया। इस एक्ट के अनुसार सामाजिक समानता नहीं बल्कि हिन्दु समाज में दो फाड़ करने का प्रयत्न किया जा रहा है।

विप्र सेना के प्रदेश महामंत्री योगेश व्यास, हरीश ओझा, आशीष जोशी, पार्षद ओम पाराशर, युवा जिलाध्यक्ष यश चतुर्वेदी, विजय ओझा, केशव शर्मा, संजय व्यास गौतम शर्मा, कश्यप चतुर्वेदी, अंकित शर्मा, विशाल व्यास के द्वारा ज्ञापन देकर मांग की गई की सामान्य वर्ग की भावनाओं को समझते हुए और संविधान की आत्मा पर प्रहार ना करते हुए ऐसा कानून बनाएं जो जातिगत भावनाओं से नहीं बल्कि समानता की भावना से प्रेरित हो इस कानून के तहत जो जांच कमेटी बिठाई जाएगी उसमें स्वर्ण समाज के प्रतिनिधि को रखा जाए और पारदर्शिता अपनाई जाए।

यूजीसी की छात्र -विरोधी की नीतियों को लेकर प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लागू अथवा प्रस्तावित किए गए नवीन नियम के विरोध में बिजौलियाँ निवासी राम प्रसाद विजयवर्गीय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेजकर शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। विजयवर्गीय ने पत्र के माध्यम से चिंता जाहिर करते हुए लिखा कि ये नई नीतियाँ देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था एवं विद्यार्थियों के भविष्य के लिए अत्यंत चिंताजनक हैं।

यूजीसी द्वारा किए जा रहे इन परिवर्तनों से शिक्षा का स्तर सुधरने के बजाय विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक एवं मानसिक दबाव बढ़ रहा है। मध्यमवर्गीय एवं साधारण परिवारों के छात्र-छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना दिन-प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है। शिक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकता का इस प्रकार जटिल एवं महँगा होना देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए उचित नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि युवाओं को योग्य, सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाना होना चाहिए। किंतु वर्तमान यूजीसी नीतियाँ इस उद्देश्य से भटकती हुई प्रतीत होती हैं। बिना व्यापक जन-परामर्श के ऐसे निर्णय लेना विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के साथ अन्याय है। स्वर्ण समाज जो हमेशा बीजेपी का कोर वोटर रहा हैं। इस नियम से सबसे ज्यादा नुकसान की सम्भावना स्वर्ण समाज को हैं। विजयवर्गीय ने पत्र के माध्यम से आग्रह किया कि यूजीसी द्वारा लागू/प्रस्तावित विवादास्पद नियमों पर तत्काल रोक लगाई लगाकर शिक्षा से संबंधित नीतियों पर पुनर्विचार कर उन्हें छात्र-हितैषी बनाया जाए। विद्यार्थियों, शिक्षाविदों एवं समाज के प्रतिनिधियों से संवाद स्थापित कर ही कोई अंतिम निर्णय लिया जाए।

माहेश्वरी प्रोफेशनल क्रिकेट लीग सीजन 4 हुई सम्पन्न, एस एन वॉरियर बना चैंपियन

दूधिया रोशनी में आयोजित फाइनल मैच में फोरम सदस्यों व दर्शकों में रहा जर्बदस्त जोश, मैन ऑफ दी मैच रहे मनोज लढा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। माहेश्वरी प्रोफेशनल फोरम के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय माहेश्वरी प्रोफेशनल क्रिकेट लीग 2026 का प्रतियोगिता का समापन भव्य रहा। खिताब एसएन वॉरियर्स ने जीत लिया। कोऑर्डिनेटर नरेश जागेटिया और दिनेश आगल ने बताया कि शारदा सुपरकिंग्स रॉयल्स व एसएन वॉरियर्स के बीच दूधिया रोशनी में फाइनल मैच हुआ। शारदा सुपरकिंग ने टॉस जीतते हुए पहले बल्लेबाजी की और 15 ओवर के मैच में 111 रन का लक्ष्य एस एन वॉरियर को दिया। लेकिन एस एन वारियर्स ने 12 ओवर में ही 9 विकेट से मैच को जीत लिया। मैन ऑफ द मैच मनोज लढा के शानदार छक्के से एस एन वॉरियर ने मैच के साथ ही ट्रॉफी जीत ली। महावीर स्कूल ग्राउंड में दूधिया रोशनी में खेले गए रोमांचक मैच में दोनों टीमों को बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों का अपार समर्थन मिला। माहेश्वरी प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष सुनील सोमानी ओर मंत्री डॉक्टर प्रशांत आगाल ने बताया की खिताबी मुकाबले को लेकर फोरम सदस्यों व दर्शकों में

जर्बदस्त जोश था। फाइनल से पूर्व पहले सेमीफाइनल मुकाबले में और सत्कार लायंस ओर शारदा सुपरकिंग के बीच टक्कर हुई। शारदा सुपरकिंग ने शानदार 1 रन जीत हांसिल की। मैन ऑफ द मैच मोहित राठी रहे। इसी प्रकार दूसरे सेमीफाइनल में कामधेनु टाइटन और एस एन वॉरियर्स के बीच कड़ी टक्कर रही। एस एन वॉरियर ने 21 रन से जीत हांसिल की। मैन ऑफ दी मैच मनोज लढा को मिला। प्रतियोगिता में सीएमए अभिषेक बाहेती और सीए नवनीत तोतला ने कमेंटेटर की भूमिका निभाई। संयोजक प्रदीप लाठी ने बताया ने बताया कि समापन समारोह में प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी, महेश सेवा समिति सचिव राजेंद्र कचौलिया, जिला उपाध्यक्ष रामकिशन सोनी, जिला कोषाध्यक्ष सुशील मरोटिया, नगर अध्यक्ष केदार गगरानी, नगर मंत्री संजय जागेटिया, अभिजीत शारदा, प्रमोद डाड, देवेंद्र सोमानी, शिव सोडानी, कैलाश काबरा, सतीश शारदा, विकास समदानी, कृष्णा राठी, दीपक मेलाना आदि ने विजेता एवं उप विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। लीग मैचों में उत्कृष्ट प्रदर्शन रौनक धुत, मोहित राठी, हरिओम नुवाल को भी पुरस्कृत किया गया। आयोजन में फोरम के महेश देवपुरा, सोनेश काबरा, सुनील सोनी, सुधा चांडक, निशा सोनी, कनुप्रिया बंग, कल्पना सोमानी, मधु देवपुरा, दीक्षा गटयाणी, साक्षी आगाल, ज्योति लाठी, निखिल बिरला और कपिल बाहेती का सहयोग रहा।

रोशन सालवी बने भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भारतीय युवा कांग्रेस ने संगठन को मज़बूती प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एडवोकेट रोशन सालवी को राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया है। यह नियुक्ति भारतीय युवा कांग्रेस के इंचार्ज श्री मनीष शर्मा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री उदय भानु चिब की स्वीकृति के पश्चात तत्काल प्रभाव से लागू की गई है।

इस संबंध में जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, एडवोकेट रोशन सालवी का नाम राष्ट्रीय प्रवक्ताओं की सूची में शामिल किया गया है। संगठन द्वारा देशभर के सक्रिय और युवा नेताओं को राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि पार्टी की नीतियों, विचारधारा और कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से जनता तक पहुँचाया जा सके।

रोशन सालवी की नियुक्ति पर भीलवाड़ा सेशन कोर्ट परिसर में अधिवक्ताओं द्वारा माला एवं साफा पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं एवं अधिवक्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके अनुभव, कानूनी समझ और सक्रिय भूमिका से भारतीय युवा कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

हिन्दुस्तान जिंक ने वेदांता मेटल बाजार पर जिंक मूल्य लॉन्च किया, देश की एमएसएमई के लिए रियल-टाइम मार्केट एक्सेस का होगा विस्तार

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक और विश्व स्तर पर शीर्ष पांच चांदी उत्पादकों में से एक, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपने प्रमुख मेटल ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, वेदांता मेटल बाजार पर जिंक मूल्य नामक भारतीय रूपयों में लाइव प्राइसिंग मॉड्यूल लॉन्च करने की घोषणा की। मेटल प्राइसिंग तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने के लिए डिजाइन किया गया, जिंक मूल्य पूरे भारत में बिजनेस, विशेष रूप से एमएसएमई और छोटे-वॉल्यूम खरीदारों को वैश्विक बेंचमार्क के अनुरूप, भारतीय रुपये में पारदर्शी, रियल-टाइम मेटल कीमतें देखने, बुक करने और लॉक करने में सक्षम बनाता है, जो एक अधिक समावेशी, डिजिटल रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर औद्योगिक इकोसिस्टम बनाने के लिए हिन्दुस्तान ज़िंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 2022 में लॉन्च हुआ वेदांता मेटल बाजार भारत का पहला ऑनलाइन मेटल मार्केटप्लेस है, जिसे मेटल खरीदने की प्रक्रिया को आसान और आधुनिक बनाने के लिए बनाया गया है। यह प्लेटफॉर्म एक सहज डिजिटल अनुभव देता है जो ग्राहकों को लाइव कीमतें देखने, ऑर्डर देने और पूरी पारदर्शिता के साथ एंड-टू-एंड ट्रांजैक्शन मैनेज करने की सुविधा देता है। देश भर में हजारों व्यवसायों द्वारा विश्वसनीय, वेदांता मेटल बाजार देश में धातुओं की सोर्सिंग के तरीके को बदलने में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरा है। जिंक मूल्य की शुरुआत प्लेटफॉर्म की क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण सुधार है। यह भारतीय रूपयें में लाइव लैंडेड कीमतें प्रदान करता है, जो लंदन मेटल एक्सचेंज से डायनामिक रूप से जुड़ी हुई हैं, जिससे सटीक और अप-टू-डेट मूल्य निर्धारण सुनिश्चित होता है। ग्राहक एक मजबूत डिजिटल फ्रेमवर्क के माध्यम से आसानी से लेन-देन कर सकते हैं जो मौजूदा जुड़ाव मॉडल का पूरक है, जबकि वास्तविक समय मूल्य निर्धारण दृश्यता चाहने वाले खरीदारों को अधिक सुदृढ़ता प्रदान करता है। यह एमएसएमई और उभरते उद्यमों को मेटल बाजार में अधिक सक्रिय रूप

से भाग लेने, तेजी से निर्णय लेने, बेहतर प्रतिस्पर्धात्मकता और घरेलू और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में मजबूत एकीकरण को सक्षम बनाता है। लॉन्च के अवसर पर, हिन्दुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा कि, 'आत्मनिर्भर भारत का भारत का विजन तभी पूरा होगा, जब हर एंटरप्राइज को, चाहे वह किसी भी साइज का हो, एक्सेस, ट्रांसपेरेंसी और अवसर समान रूप से मिलेंगे। वेदांता मेटल बाजार पर जिंक मूल्य की शुरुआत के साथ, हम भारत में मेटल खरीदने के तरीके को मौलिक रूप से बदल रहे हैं, उन एंट्री बैरियर को हटाकर जो पारंपरिक रूप से बड़े पैमाने के बिजनेस को फायदा पहुंचाते थे। यह प्लेटफॉर्म एमएसएमई और छोटे खरीदारों को बड़े संस्थानों की तरह ही रियल-टाइम प्राइस डिस्कवरी और फैसला लेने में सक्षम बनाता है, जो ग्लोबल बेंचमार्क पर आधारित होने के बावजूद भारतीय रुपये में आसानी से ट्रांजैक्शन होता है। हिंदुस्तान जिंक में, हम डिजिटल इनोवेशन को राष्ट्र निर्माण के एक टूल के रूप में देखते हैं, एक ऐसा टूल जो विश्वास को मजबूत करता है, कॉम्पिटिशन को बेहतर बनाता है, और भारत के मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को आत्मविश्वास और मजबूती के साथ बढ़ने में सक्षम बनाता है।' पारदर्शी प्राइसिंग तक व्यापक पहुंच को सक्षम कर, जिंक मूल्य भारत के मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट इकोसिस्टम को सपोर्ट करता है - छोटे और मध्यम उद्यमों को बेहतर योजना बनाने, विश्व स्तर पर कॉम्पिटिशन करने और आर्थिक विकास में सार्थक योगदान देने में मदद करता है। यह पहल आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप है, जो भारत की औद्योगिक रीढ़ को मजबूत करती है, जबकि सूचना की विषमता को कम करती है और कमोडिटी खरीद में विश्वास बढ़ाती है। हिन्दुस्तान जिंक के पोर्टफोलियो में लंदन मेटल एक्सचेंज में रजिस्टर्ड प्रोडक्ट शामिल हैं, जैसे स्पेशल हाई-ग्रेड जिंक, हाई-ग्रेड जिंक, इकोजेन-लो-कार्बन ग्रीन जिंक, प्राइम वेस्टर्न जिंक, कंटीन्यूअस गैल्वनाइजिंग ग्रेड जिंक, हाई-ग्रेड जंबो जिंक, और डाई-कास्टिंग अलॉय (अलॉय 3 और अलॉय 5), साथ ही स्पेशल हाई-ग्रेड लेड। एक पूरी तरह से इंटीग्रेटेड माइन-टू-मेटल प्रोड्यूसर के तौर पर, कंपनी ग्लोबल मार्केट में एक भरोसेमंद सप्लाई चेन और बिना रुकावट डिलीवरी सुनिश्चित करती है। 40 से अधिक देशों में सर्विस देते हुए, हिन्दुस्तान जिंक कस्टमर-फोकस्ड इनोवेशन को सर्टिफाइड क्वालिटी के साथ जोड़ता है, और यह भारत का पहला जिंक प्रोड्यूसर है जिसके पास एनवायरनमेंटल प्रोडक्ट डिक्लेरेशन वेरिफिकेशन, बीआईएस सर्टिफिकेशन और यूरोप को एक्सपोर्ट के लिए आरईएसीएच कंप्लायंस है। गणतंत्र दिवस पर जिंक मूल्य का लॉन्च हिन्दुस्तान जिंक के एक डिजिटल रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर भारत के प्रति समर्पण को दिखाता है, जो मेटल खरीद में पारदर्शिता, पहुंच और दक्षता को बढ़ावा दे रहा है, साथ ही देश की सस्टेनेबल औद्योगिक विकास की यात्रा में भी सहयोग कर रहा है।

विकास अधिकारी ने किया सघन निरीक्षण

शिविर में दी योजनाओं की आवश्यक जानकारी

स्मार्ट हलचल

कोटड़ी। पंचायत समिति की सांखड़ा ग्राम पंचायत में विकास अधिकारी राम बिलास मीणा ने सघन निरीक्षण व जांच अभियान के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना, नरेगा कार्य एवं नरेगा साइट का निरीक्षण किया। साथ ही ग्राम पंचायत सांखड़ा मुख्यालय पर घुमंतू- अर्धघुमंतू शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों को शिविर के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ग्राम पंचायत क्षेत्र में निवासरत घुमंतू एवं अर्धघुमंतू परिवारों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना, उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना तथा योजनाओं की जमीनी स्थिति का मूल्यांकन करने पर जोर दिया। शिविर के दौरान विकास अधिकारी रामबिलास मीणा ने ग्राम पंचायत सांखड़ा में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (नरेगा) एवं नरेगा अंतर्गत निर्माण कार्यों का मैदानी स्तर पर विस्तृत निरीक्षण किया गया। जिसमें योजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता एवं पारदर्शिता की गहन समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का भौतिक सत्यापन, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की वास्तविक स्थिति की जांच हेतु विकास अधिकारी द्वारा तीन निरीक्षण टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों में प्रगति प्रसार अधिकारी दिलीप सिंह एवं सहायक विकास अधिकारी बहादुर सिंह द्वारा आवश्यक अभिलेखों का मिलान किया गया। साथ ही ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्थित समस्त स्वीकृत आवासों का मौके पर पंहुच कर भौतिक सत्यापन करते हुए स्वीकृत आवास का वास्तविक अस्तित्व, निर्माण की वर्तमान स्थिति, लाभार्थी की पात्रता एवं निवास स्थिति,आवास निर्माण में गुणवत्ता मानकों का पालन की जानकारी ली गई। वहीं महात्मा गांधी नरेगा योजना के अन्तर्गत विकास अधिकारी रामबिलास मीणा ने विभिन्न कार्यस्थलों का मौके पर पंहुच कर निरीक्षण करते हुए श्रमिकों की उपस्थिति, मस्टर रोल, कार्य की प्रगति एवं स्वीकृत तकनीकी मापदंडों के अनुसार कार्य निष्पादन की जांच की गई।

स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समिति भीलवाड़ा स्टेशन की बैठक का आयोजन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भीलवाड़ा की तिमाही बैठक का आयोजन सहायक मंडल इंजीनियर शैलेष कुमार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में स्टेशन अधीक्षक जगदीश भानुराम चंदेल सहित भीलवाड़ा स्टेशन कार्यालय प्रमुख/प्रतिनिधि उपस्थित हुए। बैठक में दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही (01.10.2025 से 31.12.2025 तक) अवधि के दौरान भीलवाड़ा स्टेशन स्थित कार्यालयों में हुई राजभाषा प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। सहायक मंडल इंजीनियर ने सभी सदस्यों का बैठक में का स्वागत करते हुए बैठक की निर्धारित मानक कार्य सूची पर चर्चा की गई । मंडल से पधारे हरिकेश मीना,राजभाषा अधिकारी ने कार्यालयों में हिंदी में काम करने में आने वाली विभिन्न कठिनाइयों को दूर करने का उपाय बताया।

मोडियाखेड़ा ग्रामीणों ने विद्यालय विकास का उठाया बीड़ा

प्रधानाध्यापक की पहल पर एक लाख रुपये एकत्रित कर कमेटी को सौंपे

स्मार्ट हलचल

कोटड़ी। ब्लॉक की छापडेल ग्राम पंचायत के मोडियाखेड़ा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के संस्था प्रधान विजय कुमार ने ग्रामीणों को विद्यालय में आयोजित गतिविधियों, पढ़ाई की स्थिति के साथ ही शौचालय के जर्जर होने तथा अन्य सुविधा के लिए ग्रामीणों को फल करने का आग्रह किया। विगत दिनों पीटीएम ओर गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने एकजुट होकर राशि कस्बे के जगदीश जाट को देना शुरू किया। एकएक कर विकास की ओर बढ़ते हाथ के चलते मोके पर ही एक लाख रुपये विद्यालय विकास के लिए एकत्रित हो गई। उन्होंने संस्था

प्रधान विजय कुमार तथा एसएमसी अध्यक्ष प्रभु लाल गुर्जर को सोपते हुए विकास में ग्रामीणों की ओर से किसी प्रकार की कमी नही आने देने का आश्वासन दिया। मोडियाखेड़ा में गाँववासियों ने स्वयं के खर्च पर विद्यालय विकास का बीड़ा उठाया। इस अवसर पर संस्थाप्रधान विजय कुमार ने उपस्थित ग्रामवासियों का स्वागत किया। इस दौरान अध्यापक मनोज कुमार ने बताया कि ग्राम मोडियाखेड़ा सदैव विद्यालय के विकास के प्रति विशेष रुचि रखता आया है। उन्होंने बताया कि इसी वर्ष ग्रामवासियों के सहयोग से विद्यालय की छत की मरम्मत करवाई गई जो कोटड़ी ब्लॉक में एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करती है। भामाशाह जगदीश जाट ने बताया कि समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से एकत्रित की गई एक लाख रुपये की राशि संस्थाप्रधान एवं एसएमसी अध्यक्ष को नगद भेंट की है जिससे विद्यालय विकास को नई दिशा मिलेगी।

इस दौरान शंकरलाल गुर्जर, कैलाश जाट, चैनसुख गुर्जर, महावीर जाट, कालू पारीक, सुखदेव जाट, रामलाल बैरवा, बरदा भील, परमेश्वर गुर्जर , शंकर जाट, महेंद्र जाट, रामस्वरूप गुर्जर, खाना जाट, राजू गुर्जर सहित अनेक ग्रामवासी उपस्थित रहे। वहीं विद्यालय परिवार की ओर से गुरशरण सिंह, रामकिशन गुर्जर, विष्णु कुमार पारीक, रामनिवास कड़वा, दिनेश गुर्जर सहित शिक्षकगण उपस्थित थे।

हत्या के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | फूलिया कलां

जिला पुलिस ने भाई की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार दिनांक 26 जनवरी 2026 को रात्रि करीब 9 बजे थानाधिकारी फुलियाकला को सूचना मिली कि कल्याणपुरा खामोर के पास जंगल में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए फुलियाकला अस्पताल भिजवाया गया।

मृतक की पहचान राधेश्याम बावरी के रूप में हुई। मृतक के पिता रामलाल बावरी द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार 26 जनवरी की सुबह करीब 7:15 बजे राधेश्याम घर से निकला था। बाद में फोन पर जानकारी मिली कि राधेश्याम का शव गांव के श्मशान के पास जंगल में पड़ा है। जांच में सामने आया कि मृतक की हत्या उसके ही भाई रामपाल बावरी और साथी नरेश बावरी द्वारा की गई।

मामले में थाना फुलियाकला में धारा 26/2026, 103(1), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिन्हें न्यायालय में पेश किया जाएगा।

इस कार्रवाई में थानाधिकारी फुलियाकला सहित पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भीलवाड़ा सहित प्रदेश के निकायों में प्रशासक राज

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान के स्थानीय निकायों का कार्यकाल समाप्त होने के साथ ही अब भीलवाड़ा नगर निगम सहित प्रदेश की तमाम नगर निगम, परिषदों और नगर पालिकाओं में प्रशासक नियुक्त कर दिए गए हैं। स्वायत्त शासन विभाग द्वारा जारी आदेशों के बाद निर्वाचित बोर्ड भंग हो गए हैं और निकायों की कमान अब सीधे तौर पर सरकारी अधिकारियों के हाथों में आ गई है। नियमों के मुताबिक, जब तक आगामी निकाय चुनाव संपन्न नहीं हो जाते, तब तक जिला कलेक्टर या उनके द्वारा नामित अधिकारी (जैसे उपखंड अधिकारी) ही निकायों के कामकाज का संचालन करेंगे।

भीलवाड़ा जिले की बात करें तो नगर निगम के साथ-साथ जिले की सभी नगर पालिकाओं में भी अब पार्षदों और अध्यक्षों की जगह प्रशासक ही विकास कार्यों और प्रशासनिक निर्णयों के लिए अधिकृत होंगे। कार्यकाल पूरा होने के कारण प्रशासनिक निरंतरता बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। इस बदलाव के बाद अब आम जनता को पट्टा जारी करने, सफाई व्यवस्था और निर्माण अनुमति जैसे स्थानीय कार्यों के लिए सीधे अधिकारियों और प्रशासक कार्यालय से संपर्क करना होगा।

भैंसा कुण्डल सीनियर स्कूल की बदहाली पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, स्कूल पर जड़ा ताला, प्रशासनिक दखल के बाद बनी सहमति

स्मार्ट हलचल | मंगरोप

हमीरगढ़ उपखण्ड क्षेत्र के भैंसाकुण्डल गांव में स्थित राजकीय सीनियर स्कूल की लगातार बिगड़ती स्थिति से नाराज ग्रामीणों एवं अभिभावकों का सब्र बुधवार को टूट गया।सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण और अभिभावक स्कूल परिसर पहुंचे और विरोध स्वरूप स्कूल के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया।ग्रामीणों ने दो टूक चेतावनी दी कि जब तक उच्च प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर विद्यालय की बदहाल स्थिति को लेकर ठोस एवं स्थायी समाधान नहीं करते,तब तक स्कूल की तालाबंदी जारी रहेगी।साथ ही अभिभावकों ने अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजने का सामूहिक निर्णय भी लिया।ग्रामीण कालूलाल सालवी ने बताया कि विद्यालय की जर्जर हालत को लेकर पूर्व में कई बार शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को लिखित व मौखिक रूप से अवगत कराया गया।लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।वर्तमान में स्कूल भवन की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।कई स्थानों से प्लास्टर उखड़ चुका है,वहीं शिक्षकों की भारी कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है।इसी से आहत होकर आज ग्रामीणों एवं स्कूली विद्यार्थियों के अभिभावकों ने स्कूल पर तालाबंदी करने जैसा कठोर कदम उठाया है।करीब 2 घंटे तक तालाबंदी करके कड़ा विरोध जताया गया।इसके बाद तालाबंदी की सूचना पर सीबीओ रामेश्वरलाल जीनगर मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से समझाइश की। उन्होंने शिक्षा विभाग से मरम्मत कार्य के लिए 2 लाख रुपए स्वीकृत करवाने का आश्वासन दिया। साथ ही सीनियर स्कूल के लिए गांव के बाहर प्रस्तावित भूमि पर नए भवन निर्माण की रूपरेखा तैयार कर प्रस्ताव भेजने के निर्देश प्रधानाचार्य हरीश मीणा को दिए।जीनगर ने बताया कि विभाग द्वारा अगले सात दिनों में इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए निर्माण प्रक्रिया शुरू की जाएगी।उन्होंने यह भी बताया कि पुराने भवन में आवश्यक मरम्मत कार्य पूर्ण होने के बाद कक्षा एक से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को सुगमता से अध्ययन की व्यवस्था उपलब्ध करवाई जाएगी।

आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने फिलहाल आंदोलन स्थगित कर दिया है वहीं स्कूल का ताला खुलवाकर बच्चों की पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी करवा दी गई है,लेकिन ग्रामीणों ने स्थायी समाधान नहीं होने तक संघर्ष जारी रखने की बात कही है।

रिलायंस जिओ कंपनी के कर्मचारियों का सम्मेलन संपन्न

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

रिलायंस जिओ कंपनी के पावर मेंटेनेंस के कर्मचारी चित्तौड़गढ़ राजसमंद उदयपुर भीलवाड़ा के श्रमिक मेंटेनेंस टेक्नीशियन कर्मचारी एकत्रित हुए जिसमें निजी टावर वाले कर्मचारियों के साथ सम्मेलन में समान कार्य समान वेतन की मांग लेबर कोर्ट को वापस लिए जाने सामाजिक सुरक्षा दिलाई जाने न्यूनतम वेतन से कम वेतन दिए जाने 24 घंटे कार्य करवा कर ओवरटाइम राशि का भुगतान नहीं किए जाने आदि मांगों को लेकर निजी प्राइवेट टावरों पर कर्मचारियों को आए दिन दुर्घटना होने पर ठेका श्रमिकों को स्थाई नहीं किए जाने को लेकर सम्मेलन हरणी महादेव में किया गया जिसके प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र सीटू के प्रदेश सचिव ओमप्रकाश देवानी एवं सुशील चौधरी विनोद जोशी महादेव नायक अजय सिंह के साथ श्रमिक एकत्रित एकत्रित हुए एवं सम्मेलन संपन्न हुआ । सीटू यूनियन के प्रदेश सचिव ओमप्रकाश देवानी ने सभी श्रमिकों को एकता व संगठित होकर अपने ऊपर हो रहे शोषण के खिलाफ आवाज उठाने की मांग कहीं और देवानी ने बताया कि दिनांक 12 फरवरी 2026 को भारत बंद आंदोलन का हड़ताल में भाग लेने का ऐलान किया सभी श्रमिकों ने 12 फरवरी 2026 को आम हड़ताल में भाग लेने की सहमति दी।

जैन-माहेश्वरी परिवार कालियास का स्नेह मिलन समारोह संपन्न, वरिष्ठजनों का किया सम्मान

समाज के सभी सदस्यों ने किया एक-दूसरे से आत्मीय संवाद, खेलकूद प्रतियोगिताओं' का किया आयोजन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जैन-माहेश्वरी समाज, कालियास द्वारा आयोजित 'स्नेह मिलन कार्यक्रम' टंकी के बालाजी मंदिर परिसर में अत्यंत सफल एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। आयोजन समिति के देवेंद्र डूंगरवाल व गौरव बाहेती ने बताया की कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के सभी परिवारों का आपसी परिचय के साथ हुआ, जिसमें समाज के सभी सदस्यों ने एक-दूसरे से आत्मीय संवाद किया। साथ ही कार्यक्रम के दौरान समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। वहीं 'महिला शक्ति ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई।

आयोजन समिति के राजेश सोमानी व मानक डूंगरवाल ने बताया की इस दौरान बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए ''खेलकूद प्रतियोगिताओं' का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। यह संपूर्ण आयोजन 'जैन माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान में' संपन्न हुआ। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली 'मंच संचालन एडवोकेट राजेन्द्र कचोलिया' द्वारा किया गया, जिसे उपस्थित जनसमुदाय ने सराहा। युवा संगठन के सदस्य अंकित कचोलिया, अरिहंत बुरड़, नीरज कचोलिया, हैप्पी डूंगरवाल, भंवर डूंगरवाल, भावेश बाहेती, महेंद्र बुरड़, अभिषेक बाहेती, मनोज कचोलिया मनोज सोमानी, महेंद्र डूंगरवाल, प्रतीक कचोलिया, मोनू बाहेती, राकेश कोठारी, विनोद कचोलिया, राजेंद्र सोमानी सहित अन्य सभी वरिष्ठ सदस्यों व मातृशक्ति का आयोजन को सफल बनाने में सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में समाजजनों ने भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर होते रहने की कामना व्यक्त की, जिससे समाज में 'एकता, सहयोग और आपसी सद्भाव' और अधिक सुदृढ़ हो।

शाहपुरा को जिले का दर्जा देने की मांग का आठवां स्मरणपत्र मुख्यमंत्री के नाम दिया

स्मार्ट हलचल | शाहपुरा

अभिभाषक संस्था शाहपुरा के तत्वाधान में जिला बचाओ संघर्ष समिति शाहपुरा द्वारा शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा दिलाने का आंदोलन एक वर्ष 1 माह बीत जाने के बाद भी निरंतर जारी है जिला बचाओ संघर्ष समिति महासचिव कमलेश मुंडेतिया ने बताया कि शाहपुरा जिले की बहाली की मांग को लेकर आठवां स्मरण पत्र जिला बचाओ संघर्ष समिति अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी शाहपुरा को मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम दिया गया और शाहपुरा को जिला बनाने का किया वादा याद दिलाया। 8 माह पूर्व में जिला बचाओ संघर्ष समिति और मुख्यमंत्री की जयपुर में शाहपुरा

विधायक की मौजूदगी में वार्ता हुई और शाहपुरा को वापस जिला बनाने का सकारात्मक आश्वासन मिला था। परन्तु सरकार ने 8 माह बीतने के बाद भी शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा नहीं दिया जिससे आमजन में आक्रोश है। संघर्ष समिति जनता से किये वादों के लिए कटिबद्ध है। जिला बचाओ संघर्ष समिति अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा ने कहा कि यदि सरकार शीघ्र जिला बहाली नहीं करती है तो आंदोलन तेज किया जाएगा और बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर जिला बचाओ संघर्ष समिति अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा, महासचिव कमलेश मुंडेतिया, प्रॉपर्टी एसोसिएशन अध्यक्ष अजय मेहता, संघर्ष समिति सदस्य सत्यनारायण पाठक, हाजी उस्मान, मोहम्मद छिपा, सूर्य प्रकाश ओझा, प्रवीण पारीक, अखिल व्यास, मदनलाल कंडारा, छोटू रंगरेज, धनराज जीनगर, सुनील पाराशर, अरुण राव, राजमल शर्मा, अभय गुर्जर, कार्तिक दाधीच, महावीर बैरवा, सोनू बेरवा सहित कई सदस्य एव शाहपुरा के आमजन मौजूद रहे।

जिला बचाओ संघर्ष समिति की बैठक 1 फरवरी2026 को

शाहपुरा जिले की बहाली की मांग को लेकर 1 फरवरी 2026 को प्रातः 11:00 बजे न्यायालय परिसर शाहपुरा में अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक रखी गई है जिसमें आंदोलन की आगामी रणनीति तय की जाएगी।

ग्रीन पीपल सोसायटी जयपुर में करवाएगी बर्ड फेस्टिवल

31 जनवरी एवं 1 फरवरी को कानोता कैंप में होगा परिंदों का मेला

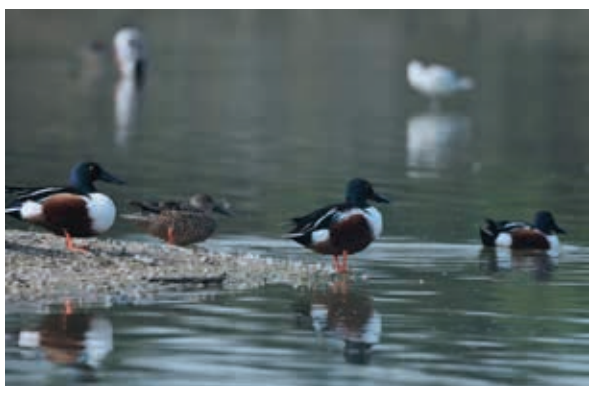

स्मार्ट हलचल | उदयपुर/जयपुर

पक्षियों, प्रकृति और आर्द्रभूमियों के संरक्षण का संदेश लेकर जयपुर बर्ड फेस्टिवल-2026 का आयोजन आगामी 31 जनवरी एवं 1 फरवरी, 2026 को जयपुर में किया जा रहा है। यह दो दिवसीय राज्य स्तर का आयोजन ग्रीन पीपल सोसायटी जयपुर चैप्टर द्वारा राजस्थान सरकार के वन विभाग एवं डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के सहयोग से आयोजित होगा। फेस्टिवल की थीम Join the celebration of wings & wetlands रखी गई है, जिसका उद्देश्य आमजन विशेषकर विद्यार्थियों में पक्षी संरक्षण और आर्द्रभूमियों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। जयपुर बर्ड फेस्टिवल कानोता कैंप रिजॉर्ट, जामडोली, जयपुर में आयोजित किया जाएगा। ग्रीन पीपल सोसायटी के उपाध्यक्ष एवं जयपुर बर्ड फेस्टिवल के संयोजक विक्रम सिंह (सेवानिवृत्त आईएएस) ने बताया कि यह आयोजन उदयपुर बर्ड फेस्टिवल की निरंतर सफलता से प्रेरित है, जिसने पिछले 12 वर्षों में एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंच के रूप में स्थापित किया है। जयपुर में आयोजित होने वाला यह फेस्टिवल प्रकृति संरक्षण की दिशा में दूसरा सशक्त प्रयास होगा।

31 जनवरी : शिक्षा, रचनात्मकता और जागरूकता का संगम

फेस्टिवल का पहला दिन 31 जनवरी, 2026 को विविध शैक्षणिक, रचनात्मक एवं जागरूकता गतिविधियों को समर्पित रहेगा। इस दौरान जयपुर बर्ड फेस्टिवल का मुख्य सत्र प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा। विद्यार्थियों के लिए नेचर क्विज एवं पेंटिंग प्रतियोगिता होंगी, जिनका उद्देश्य बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता व रुचि विकसित करना है। इस दिन रैप्टर्स प्रदर्शनी एवं अत्याधुनिक वीआर एक्सपीरियंस, बर्ड फोटोग्राफी एवं पेंटिंग प्रदर्शनी तथा फिलैटली (डाक टिकट) प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षकों एवं लेखकों के लिए विशेष वर्कशॉप रखी गई हैं, जिससे पक्षी एवं पर्यावरण लेखन को प्रोत्साहन मिल सके।

वर्कशॉप और राज्य स्तरीय सम्मेलन

विक्रम सिंह ने बताया कि फेस्टिवल के अंतर्गत लगभग 30 रिसोर्स पर्सन्स के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएगी, जिससे वे अपने-अपने संस्थानों में विद्यार्थियों को पक्षियों और प्रकृति के प्रति जागरूक कर सकें। वहीं, 15 उभरते राइटर्स के लिए लेखन कार्यशाला आयोजित होगी, जिसमें अनुभवी विशेषज्ञ मार्गदर्शन देंगे। इसी दिन राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें वन, पर्यावरण एवं पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया, चयनित एनजीओ, शिक्षाविद् एवं विशेषज्ञ भाग लेंगे। इस सम्मेलन में लगभग 100 प्रतिभागियों की सहभागिता प्रस्तावित है, जहां संरक्षण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन विमर्श होगा।

1 फरवरी : आर्द्रभूमियों और वन्यजीव क्षेत्रों का फील्ड विजिट

फेस्टिवल के दूसरे दिन, 1 फरवरी 2026 को प्रतिभागियों के लिए जयपुर एवं आसपास स्थित प्रमुख आर्द्रभूमियों और वन्यजीव क्षेत्रों का फील्ड विजिट आयोजित किया जाएगा। इसके अंतर्गत सांभर साल्ट लेक, बरखेड़ा-चंदलाई-मुहाना क्षेत्र, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर), तालछापर अभयारण्य (चूरू) तथा रणथम्भौर अथवा सरिस्का टाइगर रिजर्व जैसे स्थलों का अवलोकन प्रस्तावित है। विक्रम सिंह ने कहा कि यह फेस्टिवल केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक सामूहिक प्रयास है।

जिला कलेक्टर ने किया भारत विकास परिषद के दिव्यांग शिविर के पोस्टर का विमोचन

निशुल्क 12 वा कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का होगा आयोजन

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

शंभूपुरा। भारत विकास परिषद शाखा चित्तौड़गढ़ द्वारा आयोजित होने वाले तीन दिवसीय दिव्यांग शिविर के पोस्टर का विमोचन जिला कलेक्टर आलोक रंजन द्वारा किया गया। यह शिविर दिनांक 22 फरवरी से 24 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

शाखा अध्यक्ष महेश नवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह शिविर भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर एवं महाराणा प्रताप भारत विकास चेरिटेबल संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। शिविर के दौरान 12वां कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण एवं दिव्यांग उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें जरूरतमंद दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

यह शिविर जैन गुरुकुल धर्मशाला, स्टेशन रोड, चित्तौड़गढ़ में आयोजित किया जाएगा। शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना एवं उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है।

पोस्टर विमोचन कार्यक्रम के अवसर पर भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय संयोजक कमल जैन, पूर्व अध्यक्ष व शाखा संरक्षक डॉ आई.एम. सेठिया, शाखा अध्यक्ष महेश नवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष बालकृष्ण धूत, प्रांतीय संयोजक नवीन वर्डिया, कोषाध्यक्ष राजेश खंडेलवाल सहित परिषद के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। जिला कलेक्टर ने भारत विकास परिषद द्वारा किए जा रहे इस सेवा कार्य की पूरी जानकारी लेकर सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर कल श्रद्धांजलि व शांतिपूर्ण धरना देंगे

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

शंभूपुरा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम एवं मनरेगा नाम परिवर्तन VB-G RAM G को लेकर चित्तौड़गढ़ कलेक्टर पर स्थित सेटेलाइट हॉस्पिटल के गांधी वाटिका उद्यान में बापू की प्रतिमा के सामने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर व ग्रामीण द्वारा प्रदेश के पूर्व राज्यमंत्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत के नेतृत्व में शांतिपूर्ण धरना आयोजित किया जाएगा जो अहिंसा, संवैधानिक मूल्यों एवं मनरेगा मज़दूरों की सक्रिय सहभागिता पर केंद्रित होगा।

प्रवक्ता नवरतन जीनगर ने बताया कि 30 जनवरी 2026 शुक्रवार प्रातः 11:30 बजे धरना आयोजित होगा, ब्लॉक स्तरीय धरने में चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र के समस्त पदाधिकारीगण जनप्रतिनिधिगण कार्यकर्तागण मौजूद रहेंगे।

स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम:विद्यार्थियों ने जाना इंटरनेट और सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

जिले के राजकीय विद्यालयों में आयुष्मान भारत योजना के तहत संचालित स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम अंतर्गत मंगलवार को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया इस दौरान विभिन्न स्थानों पर सत्र आयोजित किए गए जिसमें विद्यार्थियों ने इंटरनेट और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग को जाना।

डाइट प्रिंसिपल शीला काहाल्या के अनुसार आरएससीईआरटी उदयपुर के निर्देशन में डाइट उदयपुर के परिक्षेत्र के समस्त राजकीय उच्च माध्यमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम संचालित किया जा रहा है जिसके तहत आज विद्यालयों में साप्ताहिक कैलेंडर अनुसार तीसरे सप्ताह की प्रदत्त थीम पर एक्टिविटी आयोजित की गई।

कार्यक्रम के डिस्ट्रिक्ट सब को-ऑर्डिनेटर त्रिभुवन चौबीसा के अनुसार विद्यालयों में आयोजित सत्रों के माध्यम सेजनसंचार माध्यम , इंटरनेट सूचनाओं का भंडार, वास्तविक एवं आभासी जीवन आदि बिंदुओं को रेखांकित करते हुए बच्चों को इंटरनेट एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग की जानकारी सांझा की गई। इस अवसर पर मदार में हैल्थ एम्बेसडर डॉ बिन्नु शेखावत ने, जसवंत गढ़ सायरा में शहनाज कागजी, बडगांव में प्रभा शर्मा, खरपीणा में वर्षा पाठक तथा नीता धाबाई ने एवं फलीचड़ा मावली में नेहा पारीक ने इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी।

इसके साथ ही जिले के एमजीजीएस लसाड़िया, रोहिखेड़ा, खरसान, उण्डी तलाई, भैंकड़ा रामज, पीपली अ, नाई, अमरपुरा खालसा, सत्तावल, पिंडोलियां, मोडी, मादा, मज़ावद, छापरा(नांदवेल), मॉल कलां, वली, उदाखेड़ा, सालेराकलां, कानूवाड़ा भटेवर, गुपड़ा, गुंपड़ी खालातोड़, सुड़े तलाई, नवानियां, चांसदा भामटी सहित जिले के विभिन्न राजकीय विद्यालयों में मंगलवार को लघु नाटिका, वार्ताओं, स्मार्ट बोर्ड और टीवी के माध्यम से जानकारी सांझा की गई तथा शक्ति दिवस मनाया जाकर आयरन फोलिक एसिड टैबलेट्स का वितरण किया गया है।

इस बीच कार्यक्रम की डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर डॉ मृदुला तिवारी ने खेरवाड़ा ब्लॉक के कारछाकलां विद्यालय में कार्यक्रम की गतिविधियों के संचालन को देखा एवं आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान किए दूसरी तरफ डाइट फैकल्टी वरिष्ठ व्याख्या बीना कुंवर राजपूत तथा गिरीश चौबीसा ने सायरा ब्लॉक के विद्यालयों में कार्यक्रम की गतिविधियों का अवलोकन किया।

विशाल हिन्दू युवा वाहिनी की जिला कार्यकारिणी घोषित

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

विशाल हिंदू युवा वाहिनी राजस्थान महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष मीना चौहान के निर्देश पर भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ रेनू शर्मा ने जिला कार्यकारिणी की घोषणा की । यह जानकारी देते हुए महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश सह सचिव पूर्व पार्षद निशा जैन ने बताया कि महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष रेणु शर्मा ने संगठन की गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु एवं राष्ट्रवादी विचार को घर-घर पहुँचाने के उद्देश्य से संगठन में अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ने के लिए जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया जिसमें जिला उपाध्यक्ष पद पर दीपा सोनी, सुलक्षना शर्मा, सुशीला जोशी, तारा शर्मा जिला महामंत्री पद पर मोहिनी , सपना माली, सीमा सोनी, जिला मंत्री पद पर आशा नुवाल, रजविन्दर कौर, गरिमा उपाध्याय, चंदा सोनी को नियुक्त किया! जिला अध्यक्ष रेणु शर्मा ने नव नियुक्त पदाधिकारियों से आह्वान किया कि राष्ट्र विरोधी ताकतों के खिलाफ़ हिन्दू महिलाओं को अधिक से अधिक संख्या में जोड़कर संगठन को मजबूत बनाएं ।

ग्राम पंचायत बंमोरी में कारगिल महा दौड़ 1600 मीटर दौड़ प्रतियोगिता सम्पन्न

स्मार्ट हलचल

कोटा। गड़ेपान क्षेत्र में ग्राम पंचायत बमोरी कारगिल महा दौड़ 1600 मीटर प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि कोटा कांग्रेस महिला देहात जिलाध्यक्ष गायत्री मीणा पूर्व सरपंच बमोरी ने आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में कोटा कांग्रेस देहात महिला जिलाध्यक्ष गायत्री मीणा ने खेल प्रतियोगिता विजेता खिलाड़ियों को प्रथम ईनाम मनीष (नेशनलमेड़लिस्ट),द्वितीय ईनाम मोहित,तृतीय ईनाम रामावतार को नगद भेंट किया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस युवा नेता विनोद मेघवाल देवपुरा ने भी विजेता खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर ईनाम दिया। इस कार्यक्रम में भामाशाह समाजसेवी महावीर मीणा बमोरी, कांग्रेस ईकाई अध्यक्ष नरेन्द्र सैनी, कोच बलवीर नायक, मुख्य आयोजनकर्ता समिति सदस्य कांग्रेस युवा नेता रोहित रेगर,दिपक रेगर,दिपक मेघवाल, बमोरी का लाल कुलदीप बंसल,महेश मेघवाल,पंकज मेघवाल, सुरेन्द्र रेगर, प्रमोद रेगर, मदनमोहन गोचर, चेतन सैनी, सुनील भाया, अप्रित रेगर,विनीत रेगर, अशोक बैरवा, महावीर मेघवाल,शुभम मेघवाल, शिवराज रेगर, धर्मराज गोचर आदि मौजूद रहे।

श्री सांवरिया जी प्राकट्य स्थल मंदिर बागुंड मंदिर को कार्यकारिणी द्वारा सरकार को सौंपने के निर्णय से लोगों में रोष, आंदोलन की दी चेतावनी

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। चित्तौड़गढ़ जिले के प्राचीन श्री सांवरिया जी प्राकट्य स्थल मंदिर बागुंड मंदिर को कार्यकारिणी द्वारा सरकार को सौंपने के निर्णय के बाद आसपास के कई गांवों के ग्रामीणों ओर भक्तो में रोष व्याप्त हो गया।

विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष प्यारचंद सेन ने बताया कि चित्तौड़ जिले के श्री सांवरिया जी प्राकट्य स्थल मंदिर बागुंड भादसोड़ा मंदिर की बैठक 27 जनवरी को हुई जिसमें स्थानीय मंदिर कार्यकारिणी के पदाधिकारी और सदस्यों द्वारा मंदिर को सरकार में सौंपने का प्रस्ताव जिला कलेक्टर चित्तौड़ को भेजा है, जिससे सर्व हिंदू समाज एवं पांचो गांव के लोगों में श्री सांवलिया प्राकट्य मंदिर बागुंड भादसोड़ा को सरकार में सौंपने का आक्रोश व्याप्त है। और उनके साथ विश्व हिंदू परिषद यह मांग करती है कि इस मंदिर को सरकार से मुक्त रखा जाए।

जिलाध्यक्ष प्यार चंद सेन ने बताया पांचजन्य राष्ट्रीय समाचार पत्र में विश्व हिंदू परिषद द्वारा जो पूरे देश भर के हिंदू मंदिरों के बारे में एक बड़ा फैसला 5 जनवरी 2026 को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में 'हेदव शंखरावम 'नाम से राष्ट्रीय स्तर की बैठक लिया गया जिसमें विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे द्वारा स्पष्ट प्रस्ताव लिया जाकर संवैधानिक प्रारूप तैयार किया गया जिसमें देश भर के हिंदू मंदिरों की संपत्तियों और प्रबंधन व्यवस्था को सुरक्षित एवं उनका उपयोग समाज सेवा और धर्म प्रचार के लिए किया जाएगा साथ ही मंदिरों का संचालन हिंदू समाज की निष्ठावान और दक्ष, आस्थावान हिंदुओं को सौपा जाए इसके लिए विश्व हिंदू परिषद ने स्पष्ट किया है कि मंदिरों के न्यासियों एवं प्रबंधन में राजनेता या राजनीति से जुड़े लोगों को शामिल न किया जाए और मंदिर की आय का उपयोग केवल हिंदू धर्म के प्रचार प्रसार उससे संबंधित गतिविधियों पर ही किया जाए। संवैधानिक प्रारूप के प्रस्ताव में मंदिरों का संचालन हेतु विश्व हिंदू परिषद में संतों, सेवानिवृत न्यायाधीशों, सर्वोच्च न्यायालय के वकीलों और विद्वानों की टीम बनाई है जो जिला स्तर की परिषद मंदिरों के न्यासियों का चुनाव करेंगी। वीएचपी के अखिल भारतीय संगठन महामंत्री परांडे ने बताया उस बैठक के पश्चात तत्काल आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को यह प्रस्ताव भेजा जा चुका है साथ ही राजस्थान सहित अन्य राज्यों की सरकारों को भी इस योजना की जानकारी दी जा चुकी है जिसमें अनुसूचित जाति, जनजाति सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा और विवादों का निस्तारण के लिए भी तय प्रकिया अपनाई जाएगी।

इसलिए इस मंदिर को सरकार से मुक्त रखा जाए, प्रशासन इसे गंभीरता से ले, अन्यथा विश्व हिंदू परिषद और इस मंदिर के पांचो गांव का सर्व हिंदू समाज इसके लिए आंदोलन करेंगे।

उदयपुर के कर्नल आदित्य जोशी को विशिष्ट सेवा मेडल

राष्ट्र ने चिकित्सा सेवा और सैन्य समर्पण को दिया सम्मान

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

COL ADITYA JOSHI

77वें गणतंत्र दिवस 2026 की पूर्व संध्या पर उदयपुर के गौरव, कर्नल आदित्य जोशी (आर्मी मेडिकल कोर) को विशिष्ट सेवा मेडल (वी.एस.एम.) प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। राष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें जून माह में राष्ट्र एवं सशस्त्र सेना बलों के प्रति उनकी उत्कृष्ट, समर्पित और अनुकरणीय चिकित्सा सेवा के लिए प्रदान किया जाएगा।

आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल कॉलेज, पुणे से वर्ष 2001 में चिकित्सा स्नातक, 2009 में एनेस्थेसिया में स्नातकोत्तर तथा 2019 में मेदांता से गहन चिकित्सा (क्रिटिकल केयर) में पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप प्राप्त करने वाले कर्नल जोशी, गहन चिकित्सा के क्षेत्र में अपने गहरे ज्ञान, स्थिर स्वभाव और समर्पित उपचार पद्धति के लिए व्यापक रूप से जाने जाते हैं।

कोविड-19 महामारी के चुनौतीपूर्ण दौर में उन्होंने अथक परिश्रम करते हुए दिन-रात सेवा दी और अनेक गंभीर रोगियों का जीवन बचाया। विशेष रूप से एक्स्ट्रा कॉर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनेशन (ईसीएमओ) तकनीक के माध्यम से अत्यंत जटिल मामलों में रोगियों को नया जीवन देने में उनकी विशेषज्ञता उल्लेखनीय रही है। कोविड काल तथा उसके पश्चात इस क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें आर्मी कमांडर (पूर्वी कमान) एवं सेना अध्यक्ष (सीओएएस) से प्रशंसा पत्र एवं मेडेलियन से सम्मानित किया जा चुका है।

वर्तमान में कर्नल आदित्य जोशी सशस्त्र बलों के सर्वाधिक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान 'आर्मी हॉस्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल)' में गहन चिकित्सा विभागाध्यक्ष के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

अपने 25 वर्षों के गौरवपूर्ण सैन्य सेवा काल में उन्होंने सियाचिन, जम्मू-कश्मीर, असम, पश्चिम बंगाल, राजस्थान सहित अनेक संवेदनशील क्षेत्रों तथा संयुक्त राष्ट्र शांति सेना (लेबनान) में भी चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर राष्ट्र और सेना के प्रति अपने समर्पण का परिचय दिया है। द्वितीय पीढ़ी के सैन्य अधिकारी कर्नल आदित्य जोशी, सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर (डॉ.) सी. पी. जोशी (ए.एम.सी.) के सुपुत्र हैं। राष्ट्र एवं सशस्त्र बलों के प्रति प्रेम और सेवा-भाव उन्हें विरासत में प्राप्त हुआ है।

इस सम्मान की प्राप्ति का प्रथम श्रेय कर्नल जोशी अपनी जीवनसंगिनी श्रीमती अमृता जोशी को देते हैं, जिन्होंने उनके 12 से 18 घंटे तक चलने वाले कर्तव्य काल के दौरान परिवार को सुदृढ़ रूप से संभालते हुए हर कदम पर उनका साथ निभाया।

समाज सुधार एवं उत्थान को लेकर जांगिड़ ब्राह्मण (सुथार) समाज की बैठक

बैठक में समाजहित में लिए निर्णय

स्मार्ट हलचल | आसावरा

जांगिड़ ब्राह्मण (सुथार) समाज की बैठक मंगलवार को आसावरा स्थित श्री विश्वकर्मा जांगिड़ ब्राह्मण धर्मशाला में आयोजित हुई। जिसमें चित्तौड़गढ़, उदयपुर, राजसमंद, भीलवाड़ा, प्रतापगढ़, नीमच जिलों से प्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनो एवं चौखला पंचों की उपस्थिति में समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने और समाज सुधार एवं उत्थान पर चर्चा हुई। सर्वसम्मति से समाज हित में निर्णय लिए गए।

शादी-विवाह (चिरड़ी) में दो तौला सोना एवं पांच सौ ग्राम चांदी ले जाया जाएगा या मंगवाया जाएगा।

शादी-विवाह में प्री वेडिंग, डीजे एवं बैण्ड बंद रहेगा। दुल्हा दाढ़ी बढ़ाकर विवाह करने नहीं जाएगा।

शादी से पूर्व यज्ञोपवीत संस्कार किया जाएगा।

मायरा में बहिन से रिटर्न गिफ्ट नहीं लिया जाएगा।

धोवरा नानेरा, दादेरा एवं ससुराल पक्ष का ही मान्य होगा। साथ ही लिफाफा मान्य रहेगा।

गंगोज प्रसादी में एक मिठाई ही बनाई जायेगीं। साथ ही जाजम पर किसी भी प्रकार की नशे की सामग्री का वितरण नहीं होगा। गंगोज में बर्तन या वस्त्र का वितरण नहीं होगा। कार्यक्रमों में वस्त्र एवं बर्तन लेनदेन नहीं होगा।

सगाई-शादी विच्छेद होने पर सीधे कानूनी कार्यवाही न कर समाज के प्रबुद्धजनों के बीच वार्ता कर निर्णय लिया जाएगा।

समाज के युवक-युवतियां गैर समाज में विवाह नहीं करेंगे।

उक्त सभी समाज हित में लिए गए निर्णय के नियम आसावरा चौखला में दिनांक 27 जनवरी 2026 मंगलवार से लागू हुए हैं। शेष चौखलो में अनुमोदन कर लागू किए जाएंगे।

इटावा में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन का भव्य आयोजन संपन्न, पदाधिकारियों को परिचय पत्र वितरित

स्मार्ट हलचल | इटावा

इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा नए पदाधिकारियों के लिए परिचय पत्र वितरण,नियुक्ति पत्र वितरण एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में पत्रकार, पदाधिकारी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। यह आयोजन पत्रकार हितों, एकजुटता और संगठन की मजबूती को समर्पित रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चित्रकूट धाम से पधारे महामंडलेश्वर राजेंद्र दास जी महाराज, विट्ठल आश्रम इटावा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर शिवम जी महाराज, तथा राष्ट्रीय जय मां काली सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल गुरु जी महाराज व विशिष्ट अतिथि के रूप में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुशील कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। चित्रकूट धाम से पधारे महामंडलेश्वर राजेंद्र दास जी महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि 'पत्रकार समाज का दर्पण होता है। सत्य और धर्म के मार्ग पर चलकर पत्रकार समाज को सही दिशा देने का कार्य करता है।' उन्होंने पत्रकारों से अपेक्षा जताई कि वे सत्य, संस्कार और समाजहित को सर्वोपरि रखें तथा अपनी लेखनी से सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करें। विट्ठल आश्रम इटावा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर शिवम जी महाराज ने कहा कि 'मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। यदि यह स्तंभ मजबूत रहेगा, तो समाज और राष्ट्र भी सशक्त रहेगा।' उन्होंने संगठन द्वारा पत्रकारों को सम्मानित करने की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन पत्रकारों का मनोबल बढ़ाते हैं और उन्हें ईमानदारी से कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। राष्ट्रीय जय मां काली सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल गुरु जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा

कि 'पत्रकार समाज की आवाज़ होता है। जो पीड़ा आम जनता नहीं कह पाती, उसे पत्रकार अपनी लेखनी और कैमरे के माध्यम से सामने लाता है। 'उन्होंने संगठन को एकजुट होकर कार्य करने की सलाह दी और कहा कि पत्रकारों के सम्मान और सुरक्षा के लिए ऐसे संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुशील कुमार ने कहा कि 'इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन पत्रकारों के अधिकारों, सुरक्षा और सम्मान के लिए निरंतर संघर्ष कर रहा है। आज पत्रकार अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, ऐसे में संगठन की एकजुटता सबसे बड़ी ताकत है। ' उन्होंने कहा कि नए पदाधिकारियों को संगठन की गरिमा बनाए रखते हुए निष्पक्ष, निर्भीक और जनहित में पत्रकारिता करनी चाहिए। पंडित सुशील कुमार ने आश्वासन दिया कि संगठन हर पत्रकार के साथ खड़ा है और भविष्य में पत्रकारों के हित में कई ठोस कदम उठाए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान संगठन के नए पदाधिकारियों को परिचय पत्र व नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके साथ ही समाज और पत्रकारिता के क्षेत्र में सराहनीय योगदान देने वाले पत्रकार मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार गणेश ज्ञानार्थी, वरिष्ठ पत्रकार खादिम अब्बास, अतुल वी.एन चतुर्वेदी, अमित मिश्रा, विष्णु राठौर, करन यादव, विनीत कुमार, असित यादव, अनिल चौधरी, रघुवीर यादव, इदरीश, कुलदीप, रवि कुमार, पवन मिश्रा एडवोकेट को माल्यार्पण एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों व राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा प्रदेश अध्यक्ष सुघर सिंह, प्रदेश महासचिव मसूद तैमूरी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मु0 आमीन भाई, कानपुर मंडल अध्यक्ष पुष्पराज, मंडल उपाध्यक्ष राजीव यादव, जिला प्रभारी सर्वेन्द्र कुशवाहा, जिलाध्यक्ष सैफ तैमूरी, जिला महिला विंग विनीता यादव, जिला उपाध्यक्ष सत्य नारायण राजपूत, कुलदीप कश्यप, पंकज राठौर जिला सचिव, राजपाल, इमरान, राजू कुशवाहा, अतुल यादव, करुणा निधि, इमरान खान, जिला महासचिव सुशील कांत, मनोज कुमार, आशीष कुमार, आकाश जौहरी, पुष्पराज चौहान, राजवीर सिंह, बंटू शर्मा, ब्रजमोहन सिंह, शिवम गोस्वामी, रजनीश कुमार, समेत लगभग एक सैकड़ा पत्रकारों को परिचय पत्र व नियुक्ति पत्र वितरित किये गए। सभी अतिथियों का आयोजकों द्वारा पुष्पहार पहनाकर, मोमेंटो देकर, सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। कार्यक्रम का समापन शपथग्रहण के साथ राष्ट्रहित और पत्रकार एकता के संकल्प के साथ किया गया।

चांदपुरी में शीतला माता मंदिर मार्ग से हटाया अवैध अतिक्रमण

दो घंटे चली प्रशासनिक कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

नारायणपुर। ग्राम पंचायत चांदपुरी में स्थित जोगियों की ढाणी में बुधवार को प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए मुख्य सड़क से शीतला माता मंदिर तक जाने वाले मार्ग पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटवा दिया। पिछले करीब चार महीनों से कुछ लोगों द्वारा रास्ते में गहरा गड्ढा खोदकर तथा बड़े-बड़े पत्थर डालकर आवागमन बाधित कर दिया गया था, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही थी। ग्राम पंचायत की ओर से की गई यह कार्रवाई करीब दो घंटे तक चली, जिसमें जेसीबी की सहायता से रास्ते को पूरी तरह साफ कराया गया और आवागमन बहाल किया गया। कार्रवाई के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तहसीलदार अनिल कुमार मौके पर मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात रहे। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन का पर्याप्त जाब्ता भी मौके पर मौजूद रहा। प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए भविष्य में दोबारा कब्जा नहीं करने के निर्देश दिए। इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी रीना यादव, कानूनगो अशोक योगी, पटवारी अमरचंद मीणा, नरेंद्र मीणा, हरद्वारी लाल शर्मा, मनोहर लाल योगी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अरबन बैंक में हर्षोल्लास से मनाया गणतंत्र दिवस

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक एवं चित्तौड़गढ़ न्यू क्लॉथ मार्केट निर्माण सहकारी समिति के संयुक्त तत्वाधान में 77वां गणतंत्र दिवस केशव माधव सभागार पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दोनों संस्थाओं के अध्यक्ष डॉ. आईएम सेठिया द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष द्वारा उपस्थित बैंक, समिति एवं बाजार के व्यवसायियों एवं जन समुदाय को बधाई देते हुए सहकारिता के क्षेत्र में बैंक एवं समिति की प्रगति के बारे में अवगत कराया एवं सहकारिता की भावना से देश हित में कर्त्तव्यों की पालना पर उद्बोधन दिया।

बैंक की प्रबन्ध निदेशक वन्दना वजीरानी के अनुसार कार्यक्रम में पूर्व चेयरपर्सन विमला सेठिया, निदेशक दिनेश कुमार सिसोदिया, रणजीत सिंह नाहर, राजेश काबरा, बालकिशन धूत, शान्तिलाल पुंगलिया सहित समिति के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश खटोड, सोहन लाल तनवानी, प्रकाश पटवारी, सुरेश डांगी, राजेश पोखरना, कैलाश देवडा आदि सहित बैंक के पदाधिकारी महाप्रबन्धक दिनेश खण्डेलवाल, उत्तमचन्द जैन, राजेश अवस्थी, दामोदर लाल चेचाणी, अजय सिंह राठौड़, संजय कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

एमएसएमई जागरुकता कार्यशाला में योजनाओं की जानकारी दी

भूपालसागर। पंचायत समिति के महाराणा प्रताप सभागार में बुधवार को राजस्थान उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। राजस्थान सरकार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्थानीय उद्यमियों को केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर उनके व्यवसाय को डिजिटल और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था।

कार्यशाला में उदयपुर से आए मुख्य वक्ता चार्टर्ड अकाउंटेंट रौनक रांका ने उद्यमियों को सरकार की विभिन्न नीतियों के बारे में बारीकी से समझाया। उन्होंने नए उद्योगों की स्थापना और उनके संचालन में मिलने वाली छूट, युवाओं और उद्यमियों के लिए वित्तीय सहायता के अवसर, पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों के कौशल विकास और आर्थिक मदद की जानकारी दी। उन्होंने इन योजनाओं के व्यावहारिक लाभ उठाने और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर व्यवसाय की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने पर भी जोर दिया।

कबीर साहेब जी के निर्वाण दिवस पर हुआ 35 जोड़ो का आदर्श दहेज मुक्त विवाह, 273 यूनिट हुआ रक्तदान

संत रामपाल जी महाराज के सान्निध्य में हुआ महाविशाल समागम का आयोजन, लाखों लोगों ने किया पापनाशक भंडारा

स्मार्ट हलचल | बेतूल

बुधवार को जिला बैतूल के ग्राम उड़दन स्थित सतलोक आश्रम में पूर्ण परमात्मा कबीर साहेब जी के निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में संत रामपाल जी महाराज जी के पावन सान्निध्य में चल रहे महाविशाल समागम का दूसरा दिन था,जिसमे लाखो की संख्या में श्रद्धालुओं ने आकर पापनाशक भंडारा ग्रहण किया। आश्रम के सेवादारों ने बताया कि आज से 508 वर्ष पूर्व पूर्ण परमात्मा कबीर साहेब जी नकली पण्डो द्वारा समाज में फैलाए पाखंड (कि काशी में मरने से स्वर्ग मिलता है और मगहर में मरने वाला नरक जाएगा या गधा बनेगा) को खत्म करने के लिए मगहर से लाखों हिंदू-मुस्लिम लोगों के सामने सशरीर सतलोक गए थे जिसकी याद में ये तीन दिवसीय महा विशाल समागम संत रामपाल जी महाराज जी के पावन सानिध्य में मनाया जा रहा है जिसमे पूरे मानव समाज को आने का खुला निमंत्रण दिया गया है,इस महाविशाल भंडारे में शुद्ध देशी घी से बने लड्डू,सब्जी, पूड़ी, दाल,चावल, हलवा का भंडारा दिया जा रहा है साथ ही आदरणीय संत गरीबदास जी महाराज जी द्वारा लिखित अमर ग्रन्थ साहिब की अमरवाणी का अखंड पाठ चल रहा है। कार्यक्रम के दूसरे दिन संत रामपाल जी महाराज के समाज सुधार कार्यों के अंतर्गत मात्र 17 मिनिट में गुरुवाणी द्वारा 35 जोड़ों का दहेज मुक्त विवाह भी संपन्न कराया गया और जिला चिकित्सालय बैतूल से आए स्टाफ की मौजूदगी में अनुयायियों द्वारा 273 यूनिट रक्तदान भी किया गया साथ ही 3585 लोगो के देहदान के संकल्प फार्म भरे गए। बिना दान दहेज,बिना फिजूलखर्ची के साथ हुए इस विवाह में किसी प्रकार का आडंबर देखने को नहीं मिला,विवाह के सभी जोड़े सादे सिंपल कपड़ो में बैठे रहे व अपने गुरुदेव जी की अमरवाणी को सुनकर सादगीपूर्ण तरीके से विवाह के पवित्र बंधन में बंध गए। समागम में आने वाले श्रद्धालुओं के बैठने के लिए 300म900, 90म900 व 60म900 के विशाल पांडाल,भंडारे के लिए 350म200 के पांडाल की व्यवस्था है, समागम में आने वाले श्रद्धालुओं में लिए जूता घर,पार्किंग,मोबाइल चार्जिंग,शौचालय आदि की पर्याप्त सुविधा के साथ सृष्टि रचना की आध्यात्मिक प्रदर्शनी व निःशुल्क नामदीक्षा, निःशुल्क नेत्र व दंत चिकित्सा के साथ अन्य बीमारियों के उपचार की व्यवस्था भी की गई है। फोरलेन से आश्रम तक की दूरी में बने रोड पर लगी पदर्शनी इतनी सुंदर व मोहक लग रही है कि लोग रुककर आश्रम का भ्रमण करने आ रहे है। आश्रम का रात्रि दृश्य भी देखते ही बनता है, समागम के लिए आश्रम को इस प्रकार से सजाया गया है जैसे दीवाली का त्यौहार हो। समागम के दूसरे दिन खबर लिखे जाने तक 2750 लोगो ने संत रामपाल जी महाराज जी से निःशुल्क नामदीक्षा ग्रहण कर अपने जीवन को सफल बनाया। कार्यक्रम में आए प्रशासन के अधिकारी व जनप्रतिनिधियों ने कहा कि इतनी अधिक तादाद में श्रद्धालुओं के आने के बाद भी यातायात सुविधा में किसी प्रकार की अव्यवस्था व संगत में भगदड़ देखने को नही मिली और यह भी कहा कि कही भी इतने विशाल कार्यक्रम की व्यवस्था के लिए भारी संख्या में पुलिस के जवान व मिलिट्री बुलानी होती है लेकिन संत रामपाल जी महाराज के कार्यक्रम में सारी व्यवस्था उनके सेवादार भक्त ही कर लेते है। अपने गुरुदेव जी के आदेशानुसार आने वाली सर्व संगत शांतिपूर्वक आकर अमर वाणी को श्रवण कर भंडारा प्रसादी लेकर वापस अपने घर जाती रही। 29 जनवरी को इस महासमागम का अंतिम दिन है। जिसके लिए सर्व समाज के लोगों को आने का आत्मीय आमंत्रण दिया गया है।

भामाशाहों ने की बच्चों को शिक्षण सामग्री और भोजन की घोषणा

भूपालसागर। उपखण्ड क्षेत्र के उसरोल गांव में शिक्षा के प्रति बच्चों का रुझान बढ़ाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए ग्रामीणों व भामाशाहों ने एक सराहनीय पहल की है।

जानकारी के अनुसार भामाशाहों द्वारा नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत पर पहली से पांचवीं कक्षा तक के सभी छात्र-छात्राओं को विद्यालय में आवश्यक शिक्षण सामग्री भेंट की जाएगी। भामाशाह मनोज कुमार वैष्णव, बूथ अध्यक्ष प्रभु लाल बैरवा, देवनारायण ई-मित्र संचालक शिवलाल सालवी और भाजपा एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष पन्नालाल भील ने संयुक्त रूप से सभी बच्चों को निःशुल्क स्कूल बैग, कॉपियां, पेन और पेंसिल देने की घोषणा की है। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के पोषण और सुविधाओं पर भी ध्यान दिया गया है। पूर्व विधायक मोहनलाल जाट के पुत्र बोत लाल जाट ने आगामी 15 अगस्त 2026 को विद्यालय परिवार के लिए स्नेह भोज आयोजित करने की घोषणा की है। वही ग्रामीण भैरू सिंह राजपूत ने विद्यालय में एक लाइट और पंखा देने की पहल की है, ताकि बच्चों को गर्मी में राहत मिल सके। विद्यालय प्रशासन और ग्रामीणों ने सभी भामाशाहों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर सुधरेगा और बच्चों में पढ़ने के प्रति नया उत्साह जगेगा।

अखाड़ा प्रदर्शन के साथ विराट हिन्दू सम्मेलन संपन्न

चित्तौड़गढ़। संघ के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में वसुधा बस्ती द्वारा रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया।

आयोजन समिति के अध्यक्ष पुनीत जैन ने बताया कि इस अवसर पर चारभुजा मंदिर चामटी खेड़ा, सर्वेश्वर महादेव मंदिर एवं रामेश्वर महादेव मंदिर से ठाकुरजी को बेवाण विराजित कर प्रातः 11 बजे से शोभायात्रा निकाली जो संगम मार्ग, चामटी खेडा चौराहा, नई पुलिया होते हुए वृन्दावन गार्डन पहुंची। शोभा यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में सर्व हिंदू समाज के महापुरुषों की झांकियां, ठाकुर जी का बस्ती भ्रमण, भारत माता, देवी देवताओं की सजीव झाँकी, राम दरबार की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा में विद्यालयों, धार्मिक मंडल, प्रभात फेरियां सहित सर्व हिंदू समाज के महिला पुरुषों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही।

शोभा यात्रा में गगन भेदी नारों के साथ मातृशक्ति व बहनों द्वारा पूरे जोश व उत्साह से हैरत अंगेज अखाड़ा प्रदर्शन किया गया। वीर- वीरांगनाओं और देश भक्ति के नारों व जयकारों के बीच बालिकाओं का अखाड़ा प्रदर्शन आकर्षण रहा। नन्ही बालिकाओं ने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई और वीरांगनाओं की वेशभूषा में अनूठे करतब दिखाए। अभिषेक मूंदड़ा ने बताया कि शोभायात्रा के वृन्दावन गार्डन पहुंचने पर देश भक्ति गीत, देश भक्ति नृत्य, श्रीमद् भगवत गीता जी के 15वें अध्याय का वाचन, महिषासुर मर्दिनी गायन, शिव तांडव स्त्रोत का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सुरेंद्र सिंह राव, दिनेश भट्ट, महा मंडलेश्वर चंद्र भारती महाराज श्री हजारेश्वर महादेव मंदिर के आशीर्वचन सहित सायंकाल ठाकुरजी व भारत माता की आरती के पश्चात भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर समिति के सदस्य संजय योगी, राजेन्द्र आगाल, भगवान लाल काबरा, लक्ष्मी नारायण डाड, ओंकार लाल सोनी, विपिन नाहर, जगदीश अग्रवाल, बालकिशन कुमावत, उपाध्यक्ष रतन काबरा, पवन अग्रवाल आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

श्री बरसाना धाम फ़ाउंडेशन ने सिग्नेचर ग्लोबल के विशेष सहयोग से बरसाना में 101 कन्याओं का सामूहिक विवाह संपन्न कराया

स्मार्ट हलचल | बरसाना

उत्तर प्रदेश। श्री बरसाना धाम फाउंडेशन ने पावन भूमि बरसाना में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 101 कन्याओं का भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया। यह आयोजन संतों एवं आध्यात्मिक गुरुओं की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस पुनीत पहल को सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) लिमिटेड का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ, जो दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सशक्त पहचान रखने वाली भारत की अग्रणी रियल एस्टेट विकास कंपनियों में से एक है। यह सहयोग कंपनी की सामाजिक जिम्मेदारी और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करता है।

बरसाना में आयोजित इस समारोह का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के परिवारों को सहयोग प्रदान करना था, ताकि उनकी बेटियों के विवाह सम्मानजनक एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सकें, साथ ही

सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक मूल्यों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जा सके।

इस पहल को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करते हुए, सिग्नेचर ग्लोबल ने आयोजन के सुचारू संचालन में योगदान दिया। यह सहयोग इस विश्वास को दर्शाता है कि कॉरपोरेट जिम्मेदारी केवल व्यवसाय तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के प्रति सार्थक सहभागिता भी है।

इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, श्री बरसाना धाम फाउंडेशन के प्रेसिडेंट श्री प्रदीप अग्रवाल ने कहा, 'सिग्नेचर ग्लोबल में हमारा मानना है कि सामाजिक करुणा के बिना वास्तविक विकास अधूरा है। इस नेक पहल में श्री बरसाना धाम फाउंडेशन का सहयोग करना हमारे गरिमा, समावेशन और सामुदायिक उत्थान जैसे मूल मूल्यों के अनुरूप है। यह सुनिश्चित करना कि हर बेटी अपने नए जीवन की शुरुआत सम्मान और सुरक्षा के साथ करे, हम सभी की साझा सामाजिक जिम्मेदारी

है। ' सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) लिमिटेड के सह-संस्थापक एवं उपाध्यक्ष श्री ललित अग्रवाल ने कहा, 'इस तरह की पहल सामूहिक प्रगति की सच्ची भावना को दर्शाती हैं। ब्रज धाम फाउंडेशन के प्रयासों का समर्थन करके हमारा उद्देश्य समाज में सार्थक योगदान देना और परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक व सामाजिक बोझ को कम करना है। इस प्रकार की साझेदारियां समुदायों को सशक्त बनाती हैं और दीर्घकालिक सामाजिक प्रभाव उत्पन्न करती हैं। ' इस समारोह में स्थानीय समुदायों, स्वयंसेवकों और गणमान्य व्यक्तियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। पारंपरिक रीति-रिवाजों, सामूहिक आशीर्वाद और सेवा-भाव की भावना के साथ यह आयोजन संपन्न हुआ। सामाजिक रूप से प्रभावशाली पहलों के निरंतर समर्थन के माध्यम से, सिग्नेचर ग्लोबल जिम्मेदार विकास और समावेशी राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

विधायक राजेंद्र मीणा ने महुवा विधानसभा क्षेत्र में पिछले 2 वर्ष में हुए विकास कार्यों की पुस्तिका का मुख्यमंत्री भजनलाल सहित अन्य अतिथियों से कराया पुस्तिका विमोचन

स्मार्ट हलचल

महुवा। महुवा विधायक राजेंद्र मीणा ने अपने पिछले दो वर्ष में महुवा विधानसभा क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों की पुस्तिका को विमोचन मुख्यमंत्री निवास (ष्टरू) में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में पुस्तिका का विमोचन कराया गया।

विधायक राजेंद्र मीणा ने बताया कि पिछले दो वर्षों में महुवा विधानसभा क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों की पुस्तिका का विमोचन ष्टरू मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति मेंमहवा विधायक राजेंद्र मीना के नेतृत्व में तैयार महवा विधानसभा क्षेत्र में दो वर्षों में हुए विकास कार्यों की पुस्तिका का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी, उप मुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग सहित अनेक विधायकगण उपस्थित रहे।

विधायक राजेंद्र मीणा ने बताया कियह पुस्तिका महुवा विधानसभा क्षेत्र के सतत विकास, मजबूत नेतृत्व और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण साबित होगी ।

विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा विकास संकल्पित महुवा विधानसभा क्षेत्र के विकास के 2साल,सामाजिक सदभाव, समांतर आर्थिक विकास। नव उत्थान, नई पहचान आगे विकास की ओर बढ़ता महुवा

पिछले दो साल में मेरी भाजपा सरकार के शासन में आप सभी के सहयोग, मार्गदर्शन और आशीर्वाद से पूरे महुवा विधानसभा क्षेत्र की हर ग्राम पंचायत, गांव और ढाणी तक विकास कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का प्रयास किया गया है।

इसके साथ दोनों नगरपालिकाओ महवा- मंडावर में विकास कार्यों को गति देने का प्रयास किया गया।

मेरा धर्म है कि मैं दो साल के कार्यकाल में जितने भी काम किये है उनका हिसाब जनता को समर्पित करू।

जल्द ही क्षेत्र की जनता के सामने हर विकास कार्य जो किये गये है उस पुस्तिका को आप तक पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा।

विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि इस अवसर पर महुवा विधानसभा क्षेत्र का प्रत्येक नागरिक से निवेदन है कि आइए, हम सब मिलकर विकास की इस यात्रा को और आगे बढ़ाएं मैं अपना योगदान दे इसके लिए मैं आप सबसे अपील करता हूं।

क्रिकेट खेलने आया तस्करी का ईनामी आरोपी गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने प्रतापगढ़ जिले के कोटड़ी में कार्यवाही करते हुए क्रिकेट खेलने के लिए आए तस्करी के 20 हजार रुपये के ईनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

एटीएस एवं एएनटीएफ राजस्थान के महानिरीक्षक विकास कुमार के अनुसार मादक पदार्थ तस्करी के मामले में 20 हजार रुपये के ईनामी आरोपी आवेश पिता बादशाह खान निवासी कोटड़ी के उसके गांव में मौजूद होने की जानकारी मिलने पर मध्य प्रदेश पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए टास्क फोर्स से मदद मांगी। जिस पर टीम मंगलवार को प्रतापगढ़ के कोटड़ी पहुंची और क्रिकेट टूर्नामेंट के बीच से आरोपी को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार आवेश क्रिकेट का शौकीन है और वह गांव के खिलाड़ियों को भी ट्रेनिंग देता है। अपने क्रिकेट के शौक को पूरा करने के लिए ही वह कोटड़ी आया था, जिसकी भनक लगने पर पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी के पिता बादशाह खान भी तस्करी के मामले में जेल में बंद हैं।

पिता के जेल जाने के बाद शुरू कर दी तस्करी

पुलिस के अनुसार आवेश खान के पिता बादशाह खान को करीब एक साल पहले तस्करी के आरोप में जेल हो गई थी। जिसके बाद जब घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगी तो उसने 10वीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी और स्वयं राजस्थान-मध्यप्रदेश में एमडी व डोडाचूरा की तस्करी करने लगा।

पुलिस नाकाबंदी तोड़कर भागी कार से नाबालिग सहित दो धराए

चित्तौड़गढ़। सदर थाना पुलिस द्वारा बुधवार को उदयपुर हाईवे पर की जा रही नाकाबंदी तोड़कर भागी कार ने शहर की गलियों में हाहाकार मचा दिया, पुलिस ने कई किलोमीटर पीछा कर कार में सवार एक नाबालिग सहित दो को पकड़ लिया। इस दौरान कार की चपेट में आने से एक सफाईकर्मी चोटिल हो गया। हालांकि कार में पुलिस को कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली।

सदर थानाधिकारी प्रेमसिंह ने बताया कि बुधवार को सदर पुलिस द्वारा कोटा-उदयपुर हाईवे स्थित बोजुंदा पुलिया पर नाकाबंदी की जा रही थी। इस दौरान कोटा की ओर से आई एक स्वीफ्ट कार के चालक को रुकने का ईशारा किया, लेकिन वह बेरीकेट्स को टक्कर मार कर भाग निकला। जिसकी सूचना कंट्रोल रुम पर देकर पुलिस टीम ने उसका पीछा करना शुरु कर दिया। इस दौरान कार चालक भीलवाड़ा हाईवे से नीचे उतर कर लक्ष्मीपुरा-बराड़ा होते हुए सेंती क्षेत्र में घुस गया। जिसके बाद वह सेगवा हाउसिंग बोर्ड, मधुवन, महेशपुरम होते हुए निम्बाहेड़ा रोड पर पहुंच गया। इधर सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस ने सीताफल उत्कृष्ट केन्द्र के बाहर शिव भोजनालय के समीप दो जीपो को आगे लगा कार को रोकने का प्रयास किया, लेकिन कार चालक बोलेरो को टक्कर मार कर आगे निकल गया। पुलिस टीम ने पीछा कर अंततः कार को रोक लिया। जिसमें एक नाबालिग और विजयपुर थाना अंतर्गत सादी गांव निवासी जयेश पुत्र नारायण लाल जाट मिला। पुलिस द्वारा कार की गहनता से तलाशी ली, लेकिन उसमे कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने दोनो को शांतिभंग के आरोप में हिरासत में लिया है। इसके साथ कार चालक के विरुद्ध घायल सफाईकर्मी द्वारा भी दुर्घटना का प्रकरण दर्ज कराया गया है।

बालकों से प्रेम ऐसा कि शिक्षा की अलख जगाने के लिए मकान को सौंप दिया गांव के बालक बालिकाओं को

बालकों से प्रेम ऐसा कि शिक्षा की अलख जगाने के लिए मकान को सौंप दिया गांव के बालक बालिकाओं को । उप प्राचार्य कन्हैयालाल मीणा ने निःशुल्क लाइब्रेरी के लिए सौंपा अपना वातानुकूलित मकान

स्मार्ट हलचल

वनस्थली। उप प्राचार्य कन्हैयालाल मीणा ने शिक्षा के लिए बालकों के प्रति अपने लगाव व झुकाव को देखते हुए 300 वर्ग गज में बने दो मंजिला अपने वातानुकूलित मकान को गांव के बच्चों के लिए निःशुल्क लाइब्रेरी के लिए युवाओं को समर्पित किया है। चौकी अहमदपुरा निवासी कन्हैयालाल मीणा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में उप प्राचार्य के पद पर कार्यरत है। उनके बड़े भाई मोहनलाल मीणा भी जयपुर में डॉक्टर के पद पर कार्यरत हैं तथा सबसे बड़ा भाई अमर चंद मीणा भी शारीरिक शिक्षक है। उप प्राचार्य कन्हैयालाल मीणा ने कोराना

काल में छात्रों का किराया माफ कर एक मिसाल पेश की थी। मीणा के सानिध्य में ढाई सौ से अधिक छात्रों का राजकीय सेवा में चयन हो चुका है। उन्होंने जनहित सर्वोपरि कार्य करते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन करवाना, प्रतियोगी परीक्षाओं में बाहर से आने वाले बालकों के लिए रहने व खाने की निशुल्क व्यवस्था करना , कई बच्चे जो शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में फीस भरने में असमर्थ है ।उनकी फीस जमा कराना। जैसे परोपकार के काम करते रहें है ।उनके शिक्षा के प्रति इसी योगदान को देखते हुए शिक्षक रत्न, डाईट रत्न, एकलव्य पुरस्कार आदिवासी रत्न व हाल ही में शिक्षक भर्ती में चयनित छात्रों ने मोटर साईकिल देकर सम्मानित किया है । कन्हैयालाल मीणा ने अपने गांव अहमदपुरा चौकी में बने दो मंजिला वातानुकूलित मकान को गांव के गरीब बच्चों के लिए निःशुल्क लाइब्रेरी के लिए युवाओं को समर्पित किया है। मीणा गरीब बालिकाओं की फीस भी कई बार स्वयं देते है। उन्होंने पूर्व में भी वातानुकूलित पुस्तकालय खुद के खर्चे से बनाकर दिया है इसके साथ ही मीणा बताया की 10वी 12वी में 90प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं को आगामी दिनों में निःशुल्क हवाई यात्रा निजी खर्चे पर कराई जाएगी अहमदपुरा चौकी के बच्चों को।

एडीजे गोयल ने सखी वन स्टॉप सेन्टर का निरीक्षण किया

चित्तौड़गढ़। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सुनील कुमार गोयल द्वारा बुधवार को महिला अधिकारिता विभाग परिसर में संचालित सखी वन स्टॉप सेन्टर का निरीक्षण किया गया।

इस दौरान सचिव गोयल ने केस रजिस्टर एवं दस्तावेजों का अवलोकन किया। सखी वन स्टॉप सेंटर किसी भी हिंसा से पीड़ित महिला को अविलम्ब आश्रय एवं अन्य सहायता हेतु केन्द्र एक ही स्थान पर विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध करवाता है। निरीक्षण दौरान सचिव गोयल द्वारा नालसा एवं रालसा द्वारा 10 नवम्बर 2025 से 10 फरवरी 2026 तक चलाये जा रहे न्याय आपके द्वार लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ और त्वरित समाधान अभियान के संबंध में जानकारी प्रदान की।

फज़लुर्रहमान उर्फ चंगा बाबा का दो दिवसीय उर्स 31 को होगा शुरू

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। मेड़ता रोड स्थित प्रसिद्ध सूफी संत हज़रत फज़लुर्रहमान उर्फ चंगा बाबा की दरगाह पर दो दिवसीय उर्स का आयोजन पूरे श्रद्धा, आस्था और आपसी भाईचारे के माहौल में किया जाएगा। यह उर्स 30 और 31 जनवरी को आयोजित होगा, जबकि 1 जनवरी को सुबह फजर की नमाज़ से पूर्व कुल की रस्म अदा की जाएगी। उर्स को लेकर दरगाह परिसर सहित पूरे क्षेत्र में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

दरगाह प्रबंधन कमेटी के अनुसार 30 जनवरी को महफिले मिलाद का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश-प्रदेश से आए उलेमा-ए-करम और नातख्वान रसूल-ए-पाक की शान में नातिया कलाम

पेश करेंगे। वहीं 31 जनवरी को महफिले समा का आयोजन होगा, जिसमें सूफियाना कलाम के जरिए बाबा के संदेश–प्रेम, इंसानियत और अमन–को आम लोगों तक पहुंचाया जाएगा। इसके अलावा उर्स के दौरान चादरपोशी, लंगर और दुआओं का सिलसिला लगातार चलता रहेगा।

हज़रत फज़लुर्रहमान उर्फ चंगा बाबा की दरगाह को सांप्रदायिक सौहार्द और गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल माना जाता है। यहां हर साल उर्स के मौके पर सभी धर्मों और समुदायों के लोग बाबा की दरगाह पर मत्था टेकने पहुंचते हैं और अमन-चैन की दुआ करते हैं। यही वजह है कि यह उर्स सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता का प्रतीक भी बन चुका है।

दरगाह कमेटी के सदस्यों ने बताया कि 1 जनवरी को सुबह फजर की नमाज़ से पहले कुल की रस्म अदा की जाएगी, जिसमें बाबा के चाहने वाले और अकीदतमंद बड़ी संख्या में शरीक होंगे। उर्स के अवसर पर राजस्थान सहित आसपास के प्रदेशों से भी जायरीन के पहुंचने की संभावना है।

प्रशासन और दरगाह प्रबंधन द्वारा सुरक्षा, सफाई, रोशनी और जायरीन की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। उर्स को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए स्वयंसेवक भी तैनात रहेंगे।

कुल मिलाकर, मेड़ता रोड में होने वाला यह उर्स न सिर्फ सूफी परंपरा को जीवंत करता है, बल्कि समाज को प्रेम, भाईचारे और इंसानियत का पैगाम भी देता है।

बुडस एक्ट पीड़ितों का दर्द, सरकार पर लापरवाही पर सुप्रीम कोर्ट में गुहार

स्मार्ट हलचल

महवा। दौसा (राजस्थान): बुडस एक्ट 2019 के तहत ठगे गए लाखों निवेशकों की जमा राशि का भुगतान कराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक महत्वपूर्ण याचिका दाखिल की गई है। याचिकाकर्ताओं ने अपनी मेहनत की कमाई वापस पाने के लिए न्याय की गुहार लगाई है।

बुधवार को महवा में बुडस एक्ट के पीड़ित लोगों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि विभिन्न समिति कंपनियों ने उन्हें आकर्षक रिटर्न का लालच देकर उनकी जमा राशि ठग ली। जब उन्होंने अपना पैसा वापस मांगा, तो कंपनियों ने उन्हें चूना लगा दिया।

बुडस एक्ट 2019 के तहत पीड़ित निवेशकों को उनकी जमा राशि का 2 से 3 गुना भुगतान करने का प्रावधान है। लेकिन अभी तक किसी भी पीड़ित को उसका हक नहीं मिला है। याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि

सरकार को निर्देश दिया जाए कि वह बुडस एक्ट के तहत पीड़ित निवेशकों को उनका हक दिलाए।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि सरकार की लापरवाही के कारण उन्हें आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान होना पड़ रहा है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से न्याय की गुहार लगाई है और मांग की है कि उनकी जमा राशि का भुगतान अति शीघ्र करवाया जाए।

इस अवसर पर प्रकाश चंद सैनी, रूप सिंह सैनी, डॉक्टर कैलाश प्रजापत, विजय सिंह सैनी, नानक राम जी, समय सिंह, सुमन सिंह जाटव, किशोरी लाल, आइडिया महेश सैनी, पाली हंसराम मीना, निठार हरभजन कोली और अन्य पीड़ित लोग उपस्थित थे।

बकरियाँ चोरी की घटना का खुलासा, दो गिरफ्तार

राशमी। पुलिस ने करीब एक पखवाड़े पूर्व हुई बकरे-बकरियाँ चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि 15 जनवरी को अकबर खां निवासी बारू ने बीती रात अपने घर से 11 बकरे-बकरियां चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। जिस पर प्रकरण दर्ज कर थानाधिकारी रतन सिंह के नेतृत्व में एएसआई सुभाष चन्द्र, हेड कांस्टेबल गोपाल लाल, राजकुमार साइबर सेल के कांस्टेबल रमेश विश्नोई, रामावतार, रामचन्द्र, अनिल कुमार, गोविन्द कुमार की टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये घटनास्थल का बारिकी से निरीक्षण किया गया और आस पास के सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन कर बदमाशों की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने मुखबिरों की सूचना पर प्रकरण में लिप्त रमेश उर्फ काकुड़िया पिता मांगीलाल उर्फ मांगु कालबेलिया निवासी अखेपुर थाना मंगलवाड़ हाल काली छांट थाना गंगरार तथा सत्यनारायण पिता श्यामलाल कालबेलिया निवासी काली छांट थाना गंगरार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में आरोपियों ने बकरा बकरियों की चोरी करना स्वीकार किया है। पुलिस द्वारा उनसे बरामगदी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस द्वारा गिरफ्तार रमेश उर्फ काकुडिया के विरुद्ध हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, नकबजनी, डकैती, चोरी आदि के एक दर्जन प्रकरण दर्ज हैं, वह कई प्रकरणो में फरार चल रहा है। इसी प्रकार सत्यानारायण के विरुद्ध लूट, डकैती, चोरी के प्रकरण दर्ज हैं।

सत्यव्रत रावत चुंडा जयंती पर विविध आयोजन

चित्तौड़गढ़। क्षत्रिय समाज द्वारा मेवाड़ के भीष्म पितामह सत्यव्रत रावत चुंडा की माघ शुक्ल अष्टमी (भीमाष्टमी) को 648वीं जयंती के उपलक्ष्य में कुलदेवी बायण माता मंदिर में रात्रि जागरण व हवन पूजा कर सत्यव्रत रावत चुण्डा की जयंती मनाई गयी।

इस अवसर पर रविवार सांय काल बाण माता मंदिर में रात्रि जागरण में माता के श्रृंगार, धूप दीप, पोशाक पूजा आदि चुण्डा स्मृति संस्थान के उपाध्यक्ष कान सिंह सुवावा, चावण्ड सिंह दातड़ा, शिवपाल सिंह झालरा, प्रहलाद सिंह चुंडावत, रणजीत सिंह सुवावा आदि द्वारा करवाया गया। सोमवार को प्रातः काल हवन यज्ञ, बाल भोग, पूजा आदि कराया जिसमें भूपेंद्र सिंह झालरा, भंवर सिंह नेतावलगढ़ पाछली, कान सिंह सुवावा एवं शिवपाल सिंह झालरा आदि ने हवन यज्ञ में आहूतियां दी। बाण माता के पुजारी मुकेश पालीवाल तथा पंडित अरविंद भट्ट ने यज्ञ करवाया। जयंती समारोह के उपलक्ष में चुंडा स्मृति संस्थान मेवाड़ के तत्वाधान में जौहर भवन में श्रद्धांजलि अर्पित की गई जिसमें मुख्य अतिथि रावत यशवर्धन सिंह बस्सी, विशिष्ट अतिथि कर्नल रणधीर सिंह बस्सी, मुख्य वक्ता चुंडा स्मृति संस्थान के महामंत्री लोकेंद्र सिंह ज्ञानगढ़, उपाध्यक्ष कान सिंह सुवावा, गंगा सिंह साजियाली सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

खुशी का राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में चयन

चित्तौड़गढ़। स्कूल नेशनल कुश्ती प्रतियोगिता अंडर 14 स्थानीय निवासी खुशी माली राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगी। जानकारी के अनुसार कक्षा 7 की छात्रा खुशी माली का नई दिल्ली में आयोजित होने वाली नेशनल स्कूल अंडर-14 कुश्ती प्रतियोगिता के लिए चयन होने पर आदर्श ज्ञान मंदिर उच्च प्राथमिक विद्यालय रामनगर के संचालक कमलेश माली, सावित्रीबाई फूले विकास सेवा संस्थान माली समाज अध्यक्ष हेमराज माली, राजन माली, शिव माली, रामेश्वर माली एवं विद्यालय स्टाफ द्वारा अभिनंदन किया गया।

बहुउद्देशीय दिव्यांग विद्यालय में भोज का आयोजन

चित्तौड़गढ़। भारतीय मानवाधिकार एसोशिएसन के जिलाध्यक्ष जीएनएस चौहान के नेतृत्व में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में श्री सांवलिया बहुउद्देशीय दिव्यांग आवासीय विद्यालय में दिव्यांग बच्चों को भोजन करवाया गया।

इस अवसर पर संगठन के परिचय पत्र वितरण का कार्यक्रम भी रखा गया। संस्था प्रमुख ओम प्रकाश जोशी द्वारा एसोसिएशन के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष चौहान ने कहा कि भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन एक गैर राजनीतिक संगठन है, जो सयुंक्त राष्ट्र संघ में रजिस्टर्ड है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग चंद्रवंशी के नेतृत्व में पूरे देश के तेइस राज्यो में सक्रिय रूप से कार्य करते हुए मानवाधिकार के क्षेत्र में कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर संस्था के सचिव नजीत सिंह ग्रेवाल, एसोसियेशन के जिला महासचिव बंशीधर प्रसाद, उदयपुर जिलाध्यक्ष गगन बोकड़िया, जिला उपाध्यक्ष जय प्रताप सिंह, अभिषेक नंदवाना, जिला सचिव अमित प्रताप सिंह, संगठन सचिव विनोद जैन, राजेश व्यास, सदस्य लोकेंद्र चारण आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया इंडिया स्टोनमार्ट मोबाइल ऐप, उद्योग के लिए ऐतिहासिक डिजिटल पहल

स्मार्ट हलचल

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने जयपुर में इंडिया स्टोनमार्ट मोबाइल ऐप का औपचारिक शुभारंभ किया। स्टोन उद्योग के लिए यह अपनी तरह की पहली व्यापक डिजिटल पहल मानी जा रही है, जिसके माध्यम से उद्योग को एक समर्पित डिजिटल इकोसिस्टम उपलब्ध कराया गया है। इंडिया स्टोनमार्ट ऐप के जरिए पहली बार स्टोन उद्योग को ई-स्टॉल, डिजिटल मार्केटप्लेस, नेटवर्किंग, इवेंट अपडेट्स और दृढ़-सक्षम सर्च जैसी उन्नत सुविधाएँ एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलेंगी। यह ऐप प्रदर्शकों, खरीदारों और उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों के लिए व्यापार, संवाद और सहयोग को सरल और प्रभावी बनाएगा।

लॉन्च कार्यक्रम में स्टोनमार्ट के संयोजक नटवर अजमेरा, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय सह महामंत्री नरेश पारीक, राष्ट्रीय सचिव अंजू सिंह और पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष योगेश गौतम सहित स्टोन उद्योग के प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने इस डिजिटल पहल को स्टोन उद्योग के भविष्य के लिए एक निर्णायक कदम बताया। इंडिया स्टोनमार्ट ऐप के

माध्यम से डिजिटल ई-स्टॉल और एआई-आधारित सर्च तकनीक स्टोन कारोबार के पारंपरिक तरीकों में बदलाव लाएगी और वैश्विक खरीदारों से सीधे जुड़ाव का अवसर प्रदान करेगी। यह प्लेटफॉर्म न केवल व्यापारिक गतिविधियों को गति देगा, बल्कि भारतीय स्टोन उद्योग को अंतरराष्ट्रीय बाजार में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

Stone Mart India 2026 एक चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी है, जिसका आयोजन 5 से 8 फरवरी 2026 में जयपुर स्थित जयपुर एग्ज़िबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर, सीतापुरा में प्रस्तावित है। यह आयोजन प्राकृतिक पत्थरों (मार्बल, ग्रेनाइट, सैंडस्टोन, लाइमस्टोन), माइनिंग, प्रोसेसिंग मशीनरी, टूल्स और स्टोन आर्ट से जुड़े उद्योगों को एक साझा मंच प्रदान करेगा। राजस्थान देश का अग्रणी स्टोन उत्पादक राज्य है और लाखों लोगों की आजीविका इस उद्योग से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई है। Stone Mart India 2026 के माध्यम से राजस्थान के स्टोन उद्योग, स्वस्थ्य सेक्टर, कारीगरों और निर्यातकों को वैश्विक खरीदारों एवं निवेशकों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार, यह आयोजन 'वोकल फॉर लोकल', 'मेक इन इंडिया' और राजस्थान के औद्योगिक विकास को नई गति देगा।

गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज ने किया शास्त्री का अभिनंदन

चित्तौड़गढ़। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर पंडित राकेश शास्त्री को जिला स्तरीय सम्मानित होने पर बुधवार को गांव विजयपुर में गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज द्वारा अभिनंदन किया गया।

इस अवसर विजयपुर सरपंच श्यामलाल शर्मा ने समाज की ओर से मेवाड़ी पगड़ी एवं उपरना ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। यह सम्मान समाज में सक्रिय योगदान और विकास की दिशा में किए गए प्रयासों को रेखांकित करता है। इस अवसर पर शम्भुलाल शर्मा, बालकृष्ण शर्मा, जमनालाल शर्मा, रामचन्द्र तिवारी, चन्द्रशेखर द्विवेदी, गोपाल तिवारी, प्रेमप्रकाश उपाध्याय, उमाशंकर उपाध्याय, नंदकिशोर तीवारी, प्रदीप शर्मा, गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज उपाध्यक्ष फतेहलाल, कोषाध्यक्ष अभिषेक शर्मा आदि समाज जन उपस्थित रहे।

बेहद अलग है जूलॉजी में कॅरियर

जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आपको सबसे पहले जीव विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। ऐसे बहुत से लोग है, जो प्रकृति में मौजूद विभिन्न तरह के प्राणियों के बारे में गहराई से जानने की इच्छा रखते हैं। ऐसे लोग जूलॉजी में अपना करियर देख सकते हैं। जूलॉजी, जीव विज्ञान की एक शाखा है, जो मछली, सरीसृप, पक्षियों और स्तनधारियों सहित जानवरों का वैज्ञानिक अध्ययन है। यह संरचना, शरीर रचना, विशेषताओं, व्यवहार, वितरण, पोषण की विधि, शरीर विज्ञान, आनुवंशिकी और पशु प्रजातियों के विकास को शामिल करता है। जूलॉजी का अध्ययन करते समय आप समुद्री जीवों, चिड़ियाघर के जानवरों और जंगली और यहां तक कि घरेलू पालतू जानवरों सहित जानवरों के जीव विज्ञान और आनुवंशिकी का अध्ययन करते हैं। ऐसे में अगर आप भी इनके बारे में विस्तार से जानना चाहते हैं तो बतौर जूलॉजिस्ट बनकर ऐसा कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में

क्या होता है काम

एक जूलॉजिस्ट का मुख्य काम जानवरों के व्यवहार, विशिष्ट विशेषताओं और उनमें विकासवादी प्रवृत्तियों का अध्ययन करते हैं। जूलॉजिस्ट को पशु जीवविज्ञानी या वैज्ञानिक भी कहा जाता है। यह एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है और विभिन्न क्षेत्रों से संबंध रखने वाले जूलॉजिस्ट को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। मसलन, पक्षियों के अध्ययन में विशेषज्ञता वाले जूलॉजिस्ट्स को ऑर्निथोलॉजिस्ट कहा जाता है, वहीं मछली का अध्ययन करने वाले को आइकथोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है। ठीक इसी तरह, जो जूलॉजिस्ट्स जो उभयचरों और सरीसृपों का अध्ययन करते हैं उन्हें हेरपेटोलॉजिस्ट नाम से जाना जाता है और स्तनधारियों से जुड़े लोगों को मैमलॉजिस्ट कहा जाता है। उनके कार्यक्षेत्र में जानवरों, पक्षियों, स्तनधारियों, कीड़े, मछलियों और कीड़े के पहलुओं पर रिपोर्ट तैयार करना और उन्हें विभिन्न स्थानों पर प्रबंधित करना है। जूलॉजिस्ट डीएनए पहचान सहित उच्च तकनीक के सभी प्रकार के क्षेत्र में और प्रयोगशाला में काम करते हैं, और वे जानकारी के डेटाबैंक विकसित करते हैं।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आपको सबसे पहले जीव विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। हालांकि आप इस क्षेत्र में बैचलर की डिग्री के बाद मास्टर डिग्री या डॉक्टरेट की डिग्री भी हासिल कर सकते हैं।

व्यक्तिगत कौशल

एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि जूलॉजी के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का बेहद साहसी होना जरूरी है और उनके जीवन में डर के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्हें समर्पित, स्वतंत्र और मेहनती भी होना चाहिए। उन्हें विभिन्न लोगों के साथ काम करना आना चाहिए। चूंकि वैज्ञानिक अक्सर शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं, इसलिए उनके पास प्रभावी लिखित और मौखिक संचार क्षमताएं होनी चाहिए। वह अपना अधिकांश समय जानवरों के साथ बिताते हैं, इसलिए उन्हें जोखिम भरी परिस्थितियों में काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्हें काटने, खरोंचने आदि जैसे हमलों के लिए हरदम मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए और चोटों को सहने की क्षमता होनी चाहिए। जूलॉजी के क्षेत्र में आपको कई घंटों तक काम करना पड़ सकता है, जो वास्तव में आपके लिए थकाऊ हो सकता है।

संभावनाएं

बतौर जूलॉजिस्ट आप चिड़ियाघर, वाइल्डलाइफ सर्विस, बोटेनिकल गार्डन, कंसर्वेशन आर्गेनाइजेशन, नेशनल पार्क, यूनिवर्सिटी व लेबोरेटरीज आदि में काम कर सकते हैं। जहां चिड़ियाघर व म्यूजियम में वे बतौर एजुकेटर या क्यूरेटर अपना कॅरियर आगे बढ़ा सकते हैं। वहीं आप स्कूल या कॉलेज में टीचर्स या रिचर्सर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं अपना शोध पूरा कर लेने के बाद आप एक स्वतंत्र शोधकर्ता के रूप में भी आगे कार्य कर सकते हैं। इसी तरह एनिमल रिहैबिलिटेटर्स या बतौर कंसर्वेशनिस्ट भी आप अपना उज्जवल भविष्य देख सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आपका वेतन शिक्षा, अनुभव, कार्य की प्रकृति व स्पेशलाइजेशन के आधार पर निर्भर करता है। रिसर्च एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छी आमदनी हो सकती है। शुरूआती दौर में आप 10000 से 15000 रूपए महीना आसानी से कमा सकते हैं। वहीं कुछ समय के पश्चात आपकी आमदनी 25000 रूपए प्रतिमाह या इससे अधिक भी हो सकती है। अगर कुछ वर्षों के अनुभव के पश्चात आप विदेश में काम करते हैं तो आप यकीनन लाखों में कमा सकते हैं।

लेखन के क्षेत्र में बनाएं कॅरियर

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें लिखना बहुत पसंद होता है। लेखन की कई विधाएं हैं, इन्हीं में से एक है क्रिएटिव राइटिंग। लेखन के क्षेत्र की यह विधा बेहद कलात्मक है। इस क्षेत्र से जुड़े लोग वास्तव में रचनात्मक लेखक हैं, जिन्हें लोग उपन्यासकार, कवि, गीतकार आदि विभिन्न नामों से जानते हैं। क्रिएटिव राइटर्स के पास लेखन में जादुई शक्ति होती है और अपने काम के माध्यम से, वे पाठकों को प्रभावित कर सकते हैं और उन्हें परेशान, घृणित, मंत्रमुग्ध या खुश कर सकते हैं। आमतौर पर लोग इस काम को आसान मानते हैं, जबकि लेखन बनाना एक लंबी प्रक्रिया है जिसमें बहुत अधिक शोध और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। अगर आप भी लेखन में अपनी रूचि रखते हैं तो इस क्षेत्र में अपने कदम बढ़ा सकते हैं

क्या है क्रिएटिव राइटिंग

रचनात्मक लेखन वह लेखन है जिसमें एक लेखक का उद्देश्य गद्य और काव्य छंदों के माध्यम से अपनी भावनाओं, भावनाओं, कल्पनाशील विचारों और विचारों को व्यक्त करना है। विभिन्न तरह के लेखन जैसे उपन्यास, कविता, कहानी, नाटक, आत्मकथा, पटकथा लेखन, कॉपी लेखन आदि को रचनात्मक लेखन कहा जाता है। रचनात्मक लेखन एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें प्राकृतिक दुनिया के चित्र बनाने के लिए बहुत अधिक कल्पना, अवलोकन और एक जन्मजात क्षमता की आवश्यकता होती है। विभिन्न विषयों और शैलियों पर लेख पढ़कर एक अच्छा लेखक बन सकता हैय हर तरह से जीवन का अनुभव करना और बहुत सारे मुहावरों, लहजों और स्थानीय भावों को सीखना और सुनना। वैसे तो क्रिएटिव राइटिंग कुछ लोगों को जन्मजात उपहार में मिलती हैं, लेकिन रचनात्मक लेखन में कोर्स करके कोई भी अपने लेखन कौशल में सुधार कर सकता है।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार

रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार में एक शैक्षिक पृष्ठभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है।

में एक शैक्षिक पृष्ठभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है। वैसे भारत में कुछ संस्थान रचनात्मक लेखन में शार्ट टर्म कोर्स कराते हैं और इन पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकंडरी या 10+2 होनी चाहिए। इन पाठ्यक्रमों की न्यूनतम अवधि एक वर्ष है।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक क्रिएटिव राइटर को कल्पनाओं के आकाश में विचरने के साथ-साथ उसे कागज पर भी बेहतरीन तरीके से उतारने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर पढ़ने व नई चीजों को जानने की जिज्ञासा होनी चाहिए, ताकि वह अपने शब्दकोश को अधिक मजबूत बना सके। चूंकि इन दिनों लेखन के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल किया जाने लगता है। इसलिए उसे कंप्यूटर का ज्ञान होना व इंटरनेट में आवश्यक सामग्री खोजने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर ऑर्ब्जवेशन स्किल्स व कम्युनिकेशन स्किल्स भी मजबूत होने चाहिए। क्योंकि जब एक लेखक अपने या दूसरों के अनुभवों के पन्ने पर उतारता है तो उसका एक अलग ही प्रभाव देखने को मिलता है। इसके अलावा ऑब्जर्वेशन के जरिए उसके लेखन में भी विविधता को आसानी से देखा जा सकता है।

संभावनाएं

क्रिएटिव राइटर्स के पास अवसरों की कोई कमी नहीं है। कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो आप अपनी रूचि के अनुसार उपन्यास से लेकर संस्मरण, कविता, गीत, साइंस फिक्शन, रोमांस, स्क्रिप्ट, नाटक, यात्रा-वृत्तांत आदि लिख सकते हैं। इसके अलावा आप पत्र-पत्रिकाओं और समाचार पत्रों आदि के लिए रिपोर्ट, साक्षात्कार, सुविधाएँ, आलोचना और समीक्षाएं लिख सकता है। इसके अलावा, रचनात्मक लेखक वेब साइटों के लिए भी कंटेंट लिख सकते हैं या प्रिंट मीडिया के लिए लेख बना सकते हैं। आप किसी एक संस्थान से जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर अलग-अलग संस्थानों के लिए फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व कौशल पर निर्भर करती हैं। शुरूआती दौर में एक क्रिएटिव राइटर आठ से दस हजार रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। इसके बाद अनुभव बढ़ने के बाद आपका काम व आमदनी दोनों बढ़ती चली जाती है।

प्रमुख संस्थान

- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद
- नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मीडिया स्टडीज, अहमदाबाद
- कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी

एंट्री इंटरव्यू की तरह एग्जिट इंटरव्यू भी मायने रखता है

एंट्री इंटरव्यू की तरह ही किसी कंपनी का एग्जिट इंटरव्यू भी उतना ही मायने रखता है।नौकरी छोड़ने से पहले एग्जिट इंटरव्यू भले ही मात्र एचआर संबंधी औपचारिकता लगे लेकिन इसका मतलब ये नहीं हैं कि इसके लिए आप कोई तैयारी न करें। इंटरव्यू में अपने जवाबों को तैयार रखकर आप अपने लिए भविष्य में उस कंपनी के दरवाजे हमेशा खुले रख सकेंगे। आइए जानते हैं एग्जिट इंटरव्यू के लिए कुछ जरूरी टिप्सः

सकारात्मक चीजों पर फोकस

एग्जिट इंटरव्यू के संदर्भ को समझना महत्वपूर्ण है और बिना किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाए सच बोलना जरूरी है। करियर के इस मोड़ पर आपको सकारात्मक प्रभाव बनाने के लिए सहयोगियों और प्रबंधकों की तारीफ करना चाहिए।

वापसी की इच्छा जताएं

अगर आप अच्छे टर्म के साथ अपने कार्यकाल को ऑफिस में पूरा कर रहे हैं तो इसके लिए आपको वापसी के सारे रास्ते खुल रखने की कोशिश करना चाहिए। हमेशा जुड़े रहने की इच्छा जताएं और वहां के एल्यूमिनी नेटवर्क का हिस्सा बनने को कहें।

आभार व्यक्त करें

ऑर्गनाइजेशन में अपने कार्यकाल को सहज बनाने में मदद करने वालों के प्रति आभार जताना न भूलें। यह केवल मैनेजमेंट को आपके बारे में पॉजिटिवी फील देगा।

माइक्रो पर्सपेक्टिव

अगर आपको अपने किसी साथी या वरिष्ठ प्रबंधक से संबंधित कोई बात रखने की भी है तो उसे सही तरीके से रखें। कुछ अगर कहना आवश्यक भी हो तो उसे माइक्रो पर्सपेक्टिव रखें।

कंस्ट्रक्टिव फीडबैक

आपके कार्यकाल के दौरान ऐसा समय भी रहा होगा जब वहां कलह और परेशानी का सामना करना पड़ा होगा। सुधारात्मक उपायों के साथ ईमानदार प्रतिक्रिया दें।

वकालत करने के लिए जानें बेसिक बातें

सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के लिए आपका 12वीं पास होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। इसमें 50 परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और ऐसे में आपकी एज 20 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। हमारे देश में कानून का शासन है। हर चीज कानून के अनुसार चलती है। कानून के अनुसार ही प्रशासन चलता है, कानून के अनुसार ही अदालतों का सिस्टम चलता है।

अदालतों में हम देखते हैं कि कानून के अनुसार ही एक पक्ष दूसरे पक्ष को चुनौती देता है और अदालतों में कानून के जानकार इसके भिन्न पक्षों की व्याख्या भी करते हैं। इन्हीं कानून के जानकारों को हम वकील कहते हैं और वकील बनने के लिए आपको लॉ की पढ़ाई करनी पड़ती है। इस पढ़ाई का का प्रथम चरण होता है एलएलबी का, यानी बैचलर आफ लॉ! वैसे कानून की पढ़ाई सिर्फ एक प्रोफेशन भर ही नहीं है, बल्कि यह उन तमाम जरूरतमंद लोगों को सिस्टम के साथ जोड़ने में एक अति महत्वपूर्ण कड़ी है, जो तमाम कारणों से अन्याय के शिकार होते हैं। जिन्हें पता तक नहीं होता है कि उन्हें कानून की जानकारी ना होने के कारण असीमित नुकसान उठाना पड़ा है। सच कहा जाए तो हमारे देश में ला प्रोफेशनल्स की जवाबदेही, किसी भी दूसरे प्रोफेशन से अधिक हो जाती है, क्योंकि यह कानून के शासन पर भरोसा पैदा करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के लिए आपका 12वीं पास होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। इसमें 50 परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और ऐसे में आपकी एज 20 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके बाद आपको सीएलएटी एग्जामिनेशन देना पड़ता है, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट कहा जाता है और यह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी द्वारा ऑर्गेनाइज किया जाता है। एग्जाम में आपसे लॉजिकल रीजनिंग, लीगल, एटीट्यूड, गणित, अंग्रेजी और जनरल क्वेश्चन पूछे जाते हैं। इसके बाद 5 साल के कोर्स में आप एडमिशन ले सकते हैं।

सामान्यत : पांच साल के इन्टीग्रेटेड कोर्स के एंट्रेंस हेतु 200 अंकों के क्वेश्चन पेपर के लिए डेढ़ घंटे का टाइम दिया जाता है। इसमें इंग्लिश के 30 अंक, सामान्य ज्ञान के 50 अंक, लीगल एप्टीट्यूड के 20 अंक, लीगल रीजनिंग के 20 अंक होते हैं एवं 30 अंकों का एक एस्से भी लिखना होता है।

लॉ करने के बाद आपको इंटर्नशिप का कोर्स करना होता है और इस दौरान आपको काफी कुछ ट्रेनिंग मिलती है। इंटर्नशिप के बाद आपको किसी भी राज्य के स्टेट बार काउंसिल में इनरोलमेंट के लिए अप्लाई करना होता है और उसके बाद ऑल इंडिया बार कौंसिल का एग्जामिनेशन क्लियर करने के बाद आपको प्रैक्टिस का सर्टिफिकेट मिल जाता है और इसके बाद आप वकील बन जाते हैं।

हालाँकि, ग्रेजुएशन के बाद भी आप लॉ की पढ़ाई कर सकते हैं और तब यह मात्र 3 साल का होता है। ग्रेजुएशन में भी आपको साधारणतया 50 परसेंट मार्क्स लाना होता है। वैसे एससी/ एसटी कटगरी स्टूडेंट्स के लिए इसमें छूट भी होती है।

लॉ की केटेगरी देखें तो मुख्यत : कॉर्पोरेट लॉ, क्रिमिनल लॉ, पेटेंट, एटर्नी, फैमिली लॉ, साइबर लॉ और बैंकिंग ला के रूप को गिनाया जा सकता है और किसी भी विषय में बाद में आप खुद को स्पेशलाइज कर सकते हैं। जैसा कि नाम के साथ ही स्पष्ट है कि पर्टिकुलर फील्ड में आप सम्बंधित क्षेत्र की विशेषज्ञता की हद तक जानकारी लेंगे।

खास बात यह भी है कि एलएलबी के बाद एलएलएम और पीएचडी जैसी विशेषज्ञता भी आप हासिल कर सकते हैं और बाद के दिनों में आप न्यायपालिका की परीक्षा देकर जज बनने की भी कोशिश कर सकते हैं।

लॉ करने के लिए देश भर के कुछ अच्छे कॉलेजों की बात करें तो नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इण्डिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद, नेशनल लॉ इन्स्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल, द वेस्ट बेंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्युरीडिकल साइंस, कोलकाता, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रायपुर, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, डॉ.राममनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, राजीव गाँधी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, पटियाला, चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटना, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लागल स्टडीज, कोच्चि का नाम मुख्य रूप से गिनाया जा सकता है। यूं अधिकांश यूनिवर्सिटीज में यह कोर्स उपलब्ध हैं और देश के तमाम जिलों में आपको ऐसे कॉलेज मिल जायेंगे, जहाँ से आप लॉ में एडमिशन लेकर कानून की समझ बढ़ा सकते हैं। वर्तमान में इस कोर्स के स्कोप की बात करने की जरुरत नहीं है, क्योंकि ट्रेडिशनल अदालती प्रैक्टिस के अलावा कॉरपोरेट वर्ल्ड में, एनजीओ में, बैंकिंग सेक्टर में, सरकार एवं उसके संस्थानों में, स्वतंत्र पत्रकारिता (फ्रीलांस जर्नलिज्म) में, सेना तक में, लॉ फर्म्स के साथ-साथ न्यायिक सेवा तक में इसका विस्तार है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com